श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 94 ग्वालियर, बुधवार 04 नवंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले दी दीपावली की शुभकामनाएं, गोवर्धन पूजा पर पशुपालकों की प्रतियोगिताएं होंगी

18 नवंबर को गांधीसागर में होगी डेस्टिनेशन कैबिनेट, उद्योग और ऊर्जा पर रहेगा फोकस

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपों का महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने लोगों से दीपावली की खरीदारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के %लोकल को वोकल% मंत्र को अपनाने और स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील की। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक 18 नवंबर को मंदसौर जिले के गांधीसागर में आयोजित होगी। इसमें उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष फोकस रहेगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज सभी के लिए मंगलमय हों। स्थानीय छोटे व्यापारियों और माटीकला शिल्पियों से खरीदारी कर उनके जीवन में भी खुशहाली लाएं।

गोवर्धन पूजा पर पशुपालकों को मिलेगा पुरस्कार : मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पर्व प्रकृति, पर्वत और गौवंश संरक्षण की भारतीय परंपरा का प्रतीक है। इस बार गोवर्धन पूजा पर वृंदावन ग्रामों में पशुपालन केंद्रित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वालों को गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रदेश स्थापना दिवस पर कृषि और किसान कल्याण पर जोर : मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश का 71वां स्थापना दिवस किसान कल्याण और कृषि विकास पर केंद्रित रहा। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी विद्यार्थी छात्रवृत्ति के विजेताओं को एक-एक लाख रुपए और प्रशस्ति पत्र दिए जा रहे हैं। इसके अलावा किसान बाजार, महिला उद्यमिता मंडप, कृषि प्रदर्शनी, लोक गायन और अनुगूंज सहित विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं।



2047 तक 20 लाख रोजगार के अवसर : मुख्यमंत्री ने अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक इंदौर-उज्जैन-भोपाल क्षेत्र में 20 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। लगभग 15 टाउनशिप विकसित होंगी और 30 हजार एकड़ क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास किया जाएगा। इंदौर फ्यूचर सिटी में पांच हजार एकड़ क्षेत्र में आवास, उद्योग और रोजगार आधारित विकास प्रस्तावित है। अर्बन चैलेंज फंड के तहत 2013 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के लिए समझौते किए गए हैं।

महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि : मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने दीपावली पर अधिकारी-कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि का उपहार दिया है। वहीं, किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर चार नवंबर कर दी गई है। उन्होंने शेष किसानों से जल्द पंजीयन कराने की अपील की।

15 लाख स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूरी : मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक स्वामित्व योजना के तहत लगभग 15 लाख रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं। 15 नवंबर तक 20 लाख रजिस्ट्रियां पूरी करने का लक्ष्य है। छह नवंबर को मंत्री, सांसद और विधायक अपने पैतृक या पसंद के गांव में पहुंचकर स्वामित्व योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी कराने में सहयोग करेंगे।

1200 से अधिक वन्यजीवों का रेस्क्यू : मुख्यमंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर की मदद से बोमा पद्धति के जरिए शाजापुर जिले में 1200 से अधिक कृष्णमृग और नीलगायों का रेस्क्यू किया गया है। इन्हें श्योपुर के जंगलों, गांधीसागर और रानी दुर्गावती रिजर्व फॉरेस्ट सहित निर्धारित वन क्षेत्रों में पहुंचाया गया है। इससे वन्यजीव संरक्षण के साथ किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे प्रदेश के विकास को नए आयाम मिलेंगे।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से रोकी जा सकती हैं हवाई दुर्घटनाएं

ग्वालियर जीएनएस

दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की ग्वालियर शाखा एवं एमआईटीएस के संयुक्त तत्वावधान में एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की जटिलताओं पर सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता इंजीनियर अंकित शुक्ला ने कहा कि बढ़ते हवाई यातायात को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने में एटीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह प्रत्येक विमान के संपर्क में रहकर उसे मार्गदर्शन देता है। संस्थान के पूर्व चेयरमैन इंजीनियर राधाकिशन खेतान ने नेपाल में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एटीसी से संपर्क टूटने जैसी परिस्थितियों को रोकने के लिए तकनीकी दक्षता और बेहतर संचार व्यवस्था जरूरी है। डॉ. चंद्रशेखर मालवी ने विद्यार्थियों को तकनीकी विषयों की जानकारी हासिल करने पर जोर दिया। अध्यक्ष इंजीनियर विनय कुमार शुक्ला ने स्वागत किया।

जनकगंज अस्पताल में मरीजों को मिलीं जनसुविधाएं, टीन शेड और बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था

ग्वालियर जीएनएस

जनकगंज स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक (जनकगंज डिस्पेंसरी) में मरीजों की सुविधा के लिए टीन शेड, स्टील की कुर्सियां और फर्श सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह ने इन सुविधाओं का उद्घाटन किया। इन व्यवस्थाओं पर 5 लाख 65 हजार रुपए खर्च किए गए हैं। समाजसेवी





एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता बृजकिशोर गुप्ता (गेंडा स्वामी) ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि अस्पताल में लंबे समय से मरीजों को गर्मी, बारिश और धूल के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को पर्चा बनवाने तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यों के लिए इंतजार के दौरान परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसएस जादौन ने जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई थी। पूर्व कैबिनेट मंत्री भगवान सिंह यादव के प्रयासों से इस संबंध में अनुरोध किया गया, जिसके बाद सांसद भारत सिंह कुशवाह ने अस्पताल परिसर में विकसित सुविधाओं का लोकार्पण किया। गुप्ता ने बताया कि नई व्यवस्थाओं से मरीजों को धूप, बारिश और धूल से राहत मिलेगी तथा अस्पताल में आने वाले लोगों को बैठने और अन्य कार्यों में सुविधा होगी। इन प्रयासों के लिए क्षेत्रीय नागरिकों, अस्पताल स्टाफ और मरीजों ने पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, डॉ. एसएस जादौन एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह के प्रति आभार जताया है।

भौंरी पुलिस अकादमी में 48 उप पुलिस अधीक्षकों की दीक्षांत परेड, 20 महिला अधिकारी भी शामिल; 12 करोड़ से बनेगा ऑडिटोरियम

शराब माफिया पर निडरता से कार्रवाई करें पुलिस अधिकारी : मुख्यमंत्री

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस अधिकारियों को शराब माफिया और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ निडरता से कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2029 तक मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अभियान में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर रील बनाने से ज्यादा वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान दें और गरीबों, महिलाओं तथा बच्चों की मदद के लिए देवदूत की तरह काम करें।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी में 44वें एवं 45वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले 48 अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने परेड की सलामी ली और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया।

दस्यु उन्मूलन के बाद नक्सलवाद पर सफलता : मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से चंबल एवं रीवा अंचल में दशकों पुरानी दस्यु समस्या का उन्मूलन किया। इसके बाद नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाकर प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने में



सफलता प्राप्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करते हुए पुलिस जवानों ने निर्धारित समय-सीमा से पहले नक्सलवाद समाप्त किया। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना है।उन्होंने कहा कि अपराधों का स्वरूप लगातार बदल रहा है। ऐसे में युवा पुलिस अधिकारियों को आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करना होगा। उनकी जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि आम नागरिकों का विश्वास जीतना भी है।

तीन साल में पुलिस विभाग में 17,710 भर्तियां : मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में पुलिस विभाग में 17 हजार 710 पदों पर भर्ती की गई है। कुल 22 हजार 500 पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा गया है। नक्सल विरोधी अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 60 से अधिक पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न पदोन्नति दी गई है। उन्होंने कहा कि बलिदानी पुलिसकर्मियों के योगदान और साहस को सरकार सदैव याद रखेगी।

अकादमी में 12 करोड़ से बनेगा ऑडिटोरियम : मुख्यमंत्री ने पुलिस अकादमी भौंरी में 12 करोड़ रुपए की लागत से ऑडिटोरियम बनाने की घोषणा की। इसके साथ ही विद्युत सब स्टेशन और एक किलोमीटर लंबे एप्रोच रोड का निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

सायबर अपराधों से निपटने तकनीकी क्षमता बढ़ाना जरूरी : पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि पुलिस की सबसे बड़ी ताकत वर्दी, अधिकार और संसाधन नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। इसे निष्पक्षता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से अर्जित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रशिक्षण पूरा करने वाले 48 अधिकारियों में 20 महिलाएं हैं। इनमें 22 अधिकारी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। पहली बार रेडियो संवर्ग के डीएसपी स्तर के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि सायबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए सायबर थानों, हेल्प डेस्क, फॉरेंसिक और हेल्पलाइन जैसी सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है। नवागत अधिकारियों से संविधान के प्रति निष्ठा, कानून के प्रति सम्मान और नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने की अपील की।

थाना गिजोर्रा पुलिस की फरार स्थाई वारंटी के खिलाफ कार्यवाही

हत्या सहित डकैती के प्रकरण में ढाई साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को थाना गिजोर्रा पुलिस ने भिंड से किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में फरार आरोपियों तथा स्थाई वारंटियों की धरपकड हेतु अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 03.11.2026 को थाना गिजोर्रा पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना गिजोर्रा के अप0क्र0-63/19 धारा 302,394,396 भादवि, 11/13 एमपीडीव्हीपीके एक्ट एवं माननीय न्यायालय डबरा के प्र.क्र. 14/19 में फरार स्थाई वारंटी वाहिद खान ग्राम जंगलपुरा के हार में बने वोर के पास जिला भिंड में देखा गया है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

जिस पर से प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री जयराज कुबेर,(रापुसे) द्वारा थाना गिजोर्रा पुलिस को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिजोर्रा उनि0 उपेन्द्र सिंह धाकड़ के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति ग्राम जंगलपुरा के हार में बने वोर के पास खटिया पर लेटा हुआ मिला, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम वाहिद पुत्र जमील खान उम्र 45 साल निवासी ग्राम जंगलपुरा थाना मौ जिला भिण्ड बताया। उक्त आरोपी के खिलाफ माननीय न्यायालय डबरा द्वारा प्र.क्र. 14/19 में स्थाई वारंट जारी होने से आरोपी को पुलिस द्वारा विधिवत गिरफ्तार किया गया।

उक्त आरोपी के खिलाफ थाना गिजोर्रा में अप0क्र0-63/19 धारा 302,394,396 भादवि, 11/13 एमपीडीव्हीपीके एक्ट(हत्या सहित डकैती) का अपराध पंजीबद्ध था, जिसमें आरोपी माननीय न्यायालय के समक्ष ट्रायल के दौरान फरार हो गया था। उक्त प्रकरण में शेष आरोपीगणों को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। पकड़ा गया आरोपी ढाई साल से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा निरंतर की जा रही थी, जिसे आज गिजोर्रा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।

स्थाई वारंटी- वाहिद पुत्र जमील खान उम्र 45 साल निवासी ग्राम जंगलपुरा थाना मौ जिला भिण्ड।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी गिजोर्रा उनि. उपेन्द्र सिंह धाकड, आर. ऋषि कौरव, आर. पवन राठौर, आर. जितेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।

आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 5 आनंद नगर बी ब्लॉके के निवासीगणों ने आवेदन देकर बताया कि भवन नम्बर 117 व 118 ने सड़क पर पक्का निर्माण कर नाली को बंद कर दिया है, जिस कारण जल निकासी नहीं हो पा रही है, आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 29 के जीवाजी विष्वविद्यालय के कर्मचारी आवासों में सीवर युक्त गंदा बदबूदार पानी आने के कारण काफी परेषानियों का सामना करना पड रहा है आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 31 के श्री प्रवीण भटनागर ने आवेदन देकर वार्ड 31 व 32 की कॉलोनियों एवं रहवासी क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित भैंस डेयरियों पर कार्यवाही किए जाने के संबंध सहित अनेक समस्याओं के आवेदन आवेदकों ने अपर आयुक्त को दिये। अपर आयुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओ का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 27 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए।

दीपावली पर साफ-सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

ग्वालियर, जीएनएस।

दीपावली पर्व के दौरान शहर में कहीं भी साफ सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं मिलना चाहिए। सभी क्षेत्रों में नियमित सफाई हो, कचरे के ढेर उठें और रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था प्रोपर रूप से सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। लापरवाही की स्थिति में संबंधित के खिलाफ कडी कार्यवाही की जाएगी। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने समय समीक्षा बैठक के दौरान विभागीय कार्यो की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, श्री मुनीष सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा, उपायुक्त श्री सुनील चौहान, डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, श्री उत्तम जखेनिया, श्री मुकेश बंसल, श्री रजनीश गुप्ता, अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम, श्री सुरेश अहिरवार सहित सभी कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, विभाग अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त श्री चौधरी ने संबंधित सहायक यंत्रियों को निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी स्ट्रीट लाइट बंद न रहे। इसके साथ ही सीएम हेल्प लाइन में प्राप्त होने वाली शिकायतों को त्वरित निराकरण करें। बैठक में शहर में ब्लैक स्पॉट को लेकर संबंधित विधानसभा के स्वास्थ्य अधिकारियों से जानकारी ली तथा दो दिवस में सभी ब्लैक स्पॉट आवष्यक रूप से साफ करने के निर्देष दिए तथा यह भी कहा कि इन स्थानों पर पुनः कचरा न डले, यह संबंधित अधिकारी सुनिष्चित करें। साथ ही प्रमुख सड़कों पर चल रहे डस्ट फ्री अभियान की समीक्षा करते हुए, धूल को प्रोपर तरीके से हटाने के निर्देष दिए। इसके साथ ही रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुनिष्चित करने के लिए सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वयं निरीक्षण करें और सुनिष्चित करें कि रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था प्रोपर रहे। पेंच रिपेयरिंग की समीक्षा की तथा सभी सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य तत्काल पूर्ण करने एवं इसका निरीक्षण करने के निर्देष दिए। सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा करते हुए इस हफ्ते 2.4 करोड की वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त की और आगामी सप्ताह में लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने। नई आईडी बनाने एवं आवासीय सम्पत्तियों में चल रही कॉमर्सीयल गतिविधि का सर्वे करने के निर्देष दिए। वहीं लक्ष्य के अनुरूप कम जलकर वसूली पर भी नाराजगी व्यक्त की और लक्ष्य के अनुसार जलकर वसूली करने एवं अवैध से वैध कनेक्शन करने व नये कनेक्शन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने किया साफ-सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण, लापरवाह अधिकारियों और ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम के अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने शहर में साफ-सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में लापरवाही, गंदगी और व्यवस्थाओं में कमियां पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री शैलेन्द्र चौहान, सहायक यंत्री श्री रामबाबू दिनकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सचिन तेंदुलकर रोड पर चल रहे सीसी रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कार्य की प्रगति संतोषजनक न मिलने और निर्धारित मानकों में कमी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित इंजीनियर को नोटिस जारी करने तथा ठेकेदार को वार्निंग लेटर देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान हुरावली से बारादरी रोड पर भारी मात्रा में गंदगी फैली मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। गौशाला और वहां संचालित सीएनजी प्लांट का निरीक्षण किया तथा पाया गया कि प्लांट पिछले 3 दिनों से बंद था। इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए प्लांट प्रभारी और ठेकेदार को वार्निंग लेटर जारी करने और कल से ही हर हाल में काम सुचारू रूप से शुरू करने के निर्देश दिए गए। गौशाला परिसर में अन्य कमियां मिलने पर प्रभारी को भी चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अपर आयुक्त ने बेहटा रोड का भी निरीक्षण किया गया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अपर आयुक्त श्री राव ने निरीक्षण के दौरान पिंटू पार्क की मुख्य रोड पर अत्यधिक गंदगी मिलने पर डब्ल्यूएचओ एवं सहायक डब्ल्यूएचओ का 7 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। साथ ही, वार्ड 20 के डब्ल्यूएचओ को उनके पद से हटाकर मूल पद पर भेजने की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही वार्ड 20 की अंदरूनी कॉलोनियों में भारी संख्या में पशुओं के घूमने और गोबर, सीएंडडी कचरा मिलने पर तत्काल चलानी कार्रवाई करने तथा पशुओं की जब्ती की कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए गए।

ट्रांसपोर्ट नगर के पास आवारा कुत्तों के हमले से घायल हुआ कृष्णमृग, चिड़ियाघर की टीम ने सफलतापूर्वक किया रेस्क्यू

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर के चिड़ियाघर प्रबंधन को एक वन्यजीव की जान बचाने में बड़ी सफलता मिली है। मुरैना टोल प्लाजा और ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक कुएं के पास घायल अवस्था में मिले कृष्णमृग को निगम की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) पहुँचा दिया है। जू क्यूरेटर श्री गौरव परिहार ने बताया कि चिड़ियाघर प्रबंधन को सूचना मिली थी कि ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मुरैना टोल प्लाजा के पास एक कुएं के नजदीक एक घायल हिरण देखा गया है, जिसके पीछे आवारा कुत्ते पड़े हुए हैं। वन्यप्राणी पर मंडरा रहे खतरे की सूचना मिलते ही गांधी प्राणी उद्यान से एक चार सदस्यीय विशेषज्ञ दल तुरंत मौके के लिए रवाना हुआ और घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। जांच करने पर पता चला कि घायल वन्यजीव एक कृष्णमृग है, जिसके पैर और गर्दन के नीचे गंभीर घाव थे। टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित तरीके से उसका सफल रेस्क्यू किया। रेस्क्यू किए गए कृष्णमृग को सुरक्षित रूप से गांधी प्राणी उद्यान लाया गया है। वर्तमान में उसे आइसोलेशन वार्ड में रखकर अलग से उसकी विशेष देखरेख और स्वास्थ्य निगरानी की जा रही है।

गोबर नालियों में बहाने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन निर्माण सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी.



प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देषन सैनिक कॉलोनी में भैंस डेयरी संचालकों द्वारा गोबर नाली में बहाने एवं खुले में फेंकने पर 6000 रूपये का जुर्माना वसूला गया।

इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री किषोर चौहान के निर्देषन में वार्ड 50 माधवगंज चौराहा पर दुकानदारों एवं ठेले वालों द्वारा गंदगी फैलाने पर 1500 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री धर्मेन्द्र परमार, जेडएचओ श्री नरेश गोदयाले, डब्ल्यूएचओ श्री रामनरेश बोहरे, सहायक श्री विजय, श्री नरेंद्र उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय ठाकुर के निर्देषन में वार्ड 17 लोको रोड पर श्री राजू कुमार अहिरवार द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाने पर 1000 रूपये का जुर्माना वसूला गया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एवं INDIA गठबंधन के संयुक्त तत्वावधान में 01 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल आम सभा एवं रैली संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस।

इंडिया गठबंधन के आह्वान पर 01 नवंबर 2026 को रामलीला मैदान दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के स्तीफा की मांग को लेकर आंदोलन की घोषणा की थी । जिसके तहत नई दिल्ली रामलीला मैदान में आमसभा रैली में भाग लेने मध्य प्रदेश भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट, कॉमरेड संजय नामदेव, कॉमरेड राम सरोज कुशवाहा, राज्य कंट्रोल कमीशन के अध्यक्ष कॉमरेड अरुण तिवारी,कॉमरेड कॉमरेड कमलेंद्र सिंह, कॉमरेड आनंद पाल कॉम रविंद्र कुमार, सहित बड़ी संख्या में साथियों ने मध्य प्रदेश से रैली में भाग लिया। भा क पा म प्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट जानकारी देते हुए बताया कि आमसभा - रैली में सरकार के विरोध में ऐतिहासिक जनसैलाब उमड़ा। रैली में लाखो लोगों ने भाग लिया। पूरी तरह दिल्ली में जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा, चारों तरफ इंडिया गठबंधन के घटक दलों के झंडा-बैनर से पटी दिल्ली की सड़कें, पूरे शहर में सरकार विरोधी एवं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के नारे लगे। रैली को रोकने की सरकार की सारी व्यवस्थाओं को जनता ने मुंह तोड़ जवाब देकर भारी संख्या में जनता ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार को हटाने एवं सरकार बदलने तक आंदोलन जारी रहेगा। पूरे देश की जनता भारी उत्साह के साथ सरकार बदलने की तैयारी में है । देश का विद्यार्थी एवं नौजवान का भविष्य, किसानों की खेती के गहराते संकट, मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ, महिलाओं के ऊपर हो रहे।

सड़क पर कचरा फैंकने वाले दुकानदारों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन निर्माण सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में वार्ड 25 में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर 2000 रूपये का जुर्माना किया गया। कार्यवाही के दौरान श्री सोनू दौदेरिया, श्री दलवीर कनौजिया आदि उपस्थित रह। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी



श्री किशोर चौहान के निर्देषन में वार्ड 35 एवं 41 में ठेले वालों एवं दुकानदारों द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाने पर 4500 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री जोगेंद्र यादव, जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ उपस्थित रहे।

धनतेरस से पहले भोपाल में भाजपा की पदयात्रा, यातायात और व्यापारिक गतिविधियों पर उठे सवाल

भोपाल, जीएनएस।

राजधानी में 4 नवंबर को प्रस्तावित भाजपा की विशाल पदयात्रा को लेकर यातायात व्यवस्था और व्यापारिक गतिविधियों पर संभावित असर की चर्चा शुरू हो गई है। धनतेरस 6 नवंबर को है। ऐसे में त्योहार से ठीक पहले होने वाले इस बड़े आयोजन को लेकर व्यापारियों की चिंताएं सामने आई हैं।

पदयात्रा में 40 से 50 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसके लिए लगभग 1200 बसों और 2000 चारपहिया वाहनों के आने की संभावना जताई गई है। पुलिस ने यातायात प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्थाएं बनाई हैं।

इधर, कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया माली ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर पदयात्रा का मार्ग बदलने अथवा आयोजन स्थगित करने की मांग की है। उनका कहना है कि त्योहार के मद्देनजर न्यू मार्केट, जवाहर चौक और आसपास के बाजारों में खरीदारी के लिए ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी। ऐसे में यातायात प्रतिबंधों से व्यापार प्रभावित होने की आशंका है।

सवाल यह है कि त्योहारों के इस महत्वपूर्ण कारोबारी दौर में इतने बड़े आयोजन के लिए ऐसा समय और मार्ग क्यों चुना गया, जिससे बाजारों तक पहुंच प्रभावित होने की आशंका पैदा हो रही है? राजनीतिक आयोजन लोकतांत्रिक गतिविधियों का हिस्सा हैं, लेकिन आम नागरिकों की सुविधा और व्यापारियों के हितों का ध्यान रखना भी जरूरी है। अब प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह आयोजन के साथ बाजारों की सामान्य गतिविधियां और यातायात भी सुचारु बनाए रखे।

ग्वालियर में आबकारी विभाग की कार्रवाई

44.61 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त; दो स्थानों से पकड़ी गई शराब

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं आबकारी उपायुक्त ग्वालियर संभाग श्री संदीप शर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आबकारी आयुक्त जिला ग्वालियर श्री राज नारायण सोनी के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 2 नवंबर 2026 को आबकारी विभाग की टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान शताब्दीपुरम स्थित बीडी श्रमिक कॉलोनी में गोविंद भदौरिया के अधिपत्य से देशी मदिरा प्लेन के 100 पाव और मसाला के 62 पाव जब्त किए गए। वहीं उचड़िया वाले बाबा के पास से विदेशी मदिरा की 5 बोतलें जब्त की गईं। मौके पर सस्ती गोवा व्हिस्की को ब्लैक डॉग और 100 पाइपर्स जैसी महंगी शराब की खाली बोतलों में भरकर अधिक मुनाफे के लिए बेचने का मामला भी सामने आया।

इसी क्रम में करहिया बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए आरोपी उपेंद्र सिंह तोमर के अधिपत्य से देशी मदिरा प्लेन के 40 पाव और मसाला के 25 पाव जब्त किए गए। आबकारी विभाग के अनुसार, दिनभर की कार्रवाई में कुल 44.61 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 33 हजार रुपए बताई गई है। उक्त कार्रवाई में कंट्रोल रूम प्रभारी श्री राजेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारियों, वृत्त उपनिरीक्षकों एवं आबकारी विभाग के स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण के खिलाफ कार्रवाई जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खनिज विभाग की टीम द्वारा जिले की डबरा तहसील के अंतर्गत ग्राम बिलौआ क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया गया। प्रभारी जिला खनिज अधिकारी श्री पंकज ध्वज मिश्रा ने बताया उच्च न्यायालय के आदेश पर बंद की गई खदानों और स्वीकृत खदानों का जायजा लिया गया, जिसमें बंद खदानों में खनन गतिविधियां पूरी तरह बंद पाई गईं। भ्रमण के दौरान क्षेत्र में स्थापित जांच नाकों का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया, जिसमें रजिस्टरों और सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान खनिज गिट्टी से भरा एक ओवरलोड डम्पर पकड़ा गया। खनिज विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डम्पर को जब्त कर थाना बिलौआ की अभिरक्षा में सुरक्षित रखवा दिया है।

पकड़े गए वाहन पर %मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022% के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान खनिज निरीक्षक, प्रभारी खनिज निरीक्षक एवं अन्य विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।



विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल द्वारा अयोध्या में हुए बलिदानियों की याद में हुतात्मा दिवस पर सैकड़ों बजरंगियों ने किया रक्तदान

एवं विभाग सह संयोजक श्री रविराज लुडले जी जिला मंत्री श्री कृष्ण कुमार रावत जिला सह मंत्री दीपक यादव जिला संयोजक नीरज ऊंचिया नरेंद्र यादव वीर सिंह ललित पाल कपिल चौहान चमन गर्ग लखन रजक ललित वर्मा अजय रजक रोहित रजक राहुल अन्य सैकड़ों वीर बजरंगियों ने रक्तदान किया कार्यक्रम में प्रांत मंत्री श्री नवल भदौरिया राष्ट्रीय सेवक संघ श्री नवल शुक्ला जी जी श्री मनोज रजक विभाग मंत्री श्री पप्पू राठौर जी चेतन मीणा जगदीश चौहान गजेंद्र डिसोरिया राधे लाल सूरज शाक्य धनराज गोलू सेन रजनीश मिश्रा लाला सेवरिया एवं अन्य विभाग एवं जिला कार्यकारणी सदस्य उपस्थित रहे।

आलू टिश्यू कल्चर एवं एरोपोनिक लैब की स्थापना का रास्ता साफ, 14 हेक्टेयर भूमि से हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में आलू उत्पादन को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और किसानों को बेहतर गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। पंजाबीपुरा-बेहटा, मुरार में 17 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित आलू टिश्यू कल्चर एवं एरोपोनिक लैब के निर्माण में आ रही बाधा दूर हो गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर सोमवार को राजस्व विभाग की टीम ने लैब के लिए आवंटित 14 हेक्टेयर भूमि से मशीनों की मदद से अतिक्रमण हटवा दिया। एसडीएम श्री नरेश गुप्ता के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के बाद संबंधित ठेकेदार को 15 दिन के भीतर शेष बाउंड्रीवॉल का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक संचालक उद्यानिकी श्री एमपीएस बुंदेला ने बताया कि इस लैब की स्थापना से ग्वालियर संभाग के हजारों आलू उत्पादक किसानों को बीमारी रहित और उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत प्रजातियों का बीज उपलब्ध हो सकेगा। वर्तमान में मध्यप्रदेश के किसानों को उन्नत आलू बीज के लिए पंजाब पर निर्भर रहना पड़ता है। लैब शुरू होने से इस निर्भरता में कमी आएगी और किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर बीज मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि टिश्यू कल्चर एवं एरोपोनिक तकनीक से तैयार आलू बीज की उत्पादन क्षमता पारंपरिक बीज की तुलना में कई गुना अधिक है। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एरोपोनिक तकनीक से आलू उत्पादन का सफल परीक्षण किया गया है। पिछले वर्ष किए गए परीक्षण में एक किलोग्राम बीज से लगभग250 से 400 किलोग्राम आलू का उत्पादन प्राप्त हुआ था। यह तकनीक आलू उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। उद्यानिकी विभाग के माध्यम से राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन ने इस परियोजना के लिए 14 हेक्टेयर भूमि आवंटित की थी। अब अतिक्रमण हटने के बाद लैब निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह परियोजना जिले सहित पूरे ग्वालियर संभाग के आलू उत्पादक किसानों के लिए लाभकारी साबित होगी।





दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
वैचारिक
बुधवार 04 नवंबर 2026
4
www.shramsadhnanews.com
निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

एक शिक्षित बेटी, कई पीढ़ियों का भविष्य और विकसित समाज की नींव

किसी भी समाज की प्रगति का आकलन केवल उसकी इमारतों, सड़कों, उद्योगों या आर्थिक विकास से नहीं किया जा सकता, बल्कि इस बात से भी किया जाता है कि उस समाज में बेटियों को शिक्षा के कितने अवसर उपलब्ध हैं। जो समाज अपनी बेटियों को पढ़ने, सोचने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने की स्वतंत्रता देता है, वही वास्तविक अर्थों में विकसित और प्रगतिशील समाज कहलाता है। बेटी की शिक्षा केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करने तक सीमित नहीं होती। यह कई पीढ़ियों के भविष्य को संवारने की प्रक्रिया है। एक शिक्षित बेटी जब अपने परिवार का हिस्सा बनती है, तो वह अपने ज्ञान, विचारों और संस्कारों से पूरे परिवार को प्रभावित करती है। वह अपने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और अच्छे पालन-पोषण के प्रति अधिक जागरूक होती है। इस प्रकार उसकी शिक्षा का लाभ केवल अगली पीढ़ी तक ही नहीं, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों तक पहुँचता है।

इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने महिलाओं की शिक्षा को महत्व दिया, उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की। एक शिक्षित महिला अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझती है। उसमें अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों, लैंगिक भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस होता है। वह अपने परिवार और समाज में वैज्ञानिक सोच, समानता और तार्किक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है। आज के आधुनिक युग में बेटियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अनेक संभावनाएँ उपलब्ध हैं। वे डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी और उत्कृष्ट खिलाड़ी बन रही हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर कृषि तक और तकनीक से लेकर राजनीति तक, वे लगभग हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। उनकी उपलब्धियाँ स्पष्ट करती हैं कि समान अवसर मिलने पर बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहतीं। फिर भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में बेटियों की शिक्षा के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। गरीबी, बाल विवाह, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ, विद्यालयों की दूरी, डिजिटल सुविधाओं की कमी और पुरानी सामाजिक मानसिकता उनकी पढ़ाई में बाधा बनती हैं। कई परिवार आज भी बेटों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं और बेटियों की पढ़ाई को अतिरिक्त खर्च समझते हैं। इस सोच को बदलने की आवश्यकता है। बेटी की शिक्षा खर्च नहीं, बल्कि समाज के भविष्य में किया गया सबसे महत्वपूर्ण निवेश है। इस दिशा में माता-पिता, शिक्षकों, सरकार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। प्रत्येक बेटी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित विद्यालयी वातावरण, डिजिटल सुविधाएँ और अपनी रुचि के अनुसार करियर चुनने के अवसर मिलने चाहिए। विद्यालयों में उन्हें केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, जीवन-कौशल, वित्तीय साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए। माता-पिता को बेटियों की तुलना बेटों से करने के बजाय उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानना चाहिए। बेटियों को घर की जिम्मेदारियाँ निभाने के साथ-साथ अपने सपनों को पूरा करने का भी पूरा अवसर मिलना चाहिए। समाज को सफल और प्रतिभाशाली महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाना चाहिए, ताकि दूसरे परिवार भी अपनी बेटियों की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित हों।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

ग्रीन पटाखे : कम प्रदूषण, लेकिन कितना कम? क्या हरित दीवाली संभव है?

डॉ. विजय गर्ग

दीवाली रोशनी, खुशियों और आपसी मेल-जोल का त्योहार है। पीढ़ियों से लोग इस अवसर को दीप जलाकर, मिठाइयाँ बाँटकर, परिवार के साथ समय बिताकर और आतिशबाजी करके मनाते आ रहे हैं। लेकिन वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर बढ़ती चिंता ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है- क्या हम पर्यावरण की रक्षा करते हुए भी दीवाली मना सकते हैं? ग्रीन पटाखे इसका एक संभावित विकल्प बनकर सामने आए हैं, लेकिन वे वास्तव में कितने पर्यावरण-अनुकूल हैं?



ग्रीन पटाखे क्या हैं?

ग्रीन पटाखे विशेष रूप से इस तरह तैयार किए जाते हैं कि पारंपरिक पटाखों की तुलना में पर्यावरण पर उनका कम प्रतिकूल प्रभाव पड़े। इनका उद्देश्य कम प्रदूषक पदार्थ छोड़ना और हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा घटाना है। कुछ प्रकार के ग्रीन पटाखों में हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने का प्रयास भी किया जाता है।

पारंपरिक पटाखों से अलग, स्वीकृत ग्रीन पटाखे निर्धारित मानकों के अनुसार बनाए जाते हैं। उनकी प्रामाणिकता की जाँच के लिए उन पर पहचान चिह्न या क्यूआर कोड भी हो सकते हैं। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि 'ग्रीन' होने का अर्थ पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त होना नहीं है।

ये प्रदूषण कितना कम करते हैं?

ग्रीन पटाखों का उद्देश्य पारंपरिक पटाखों की तुलना में प्रदूषण कम करना है। लेकिन प्रदूषण में वास्तविक कमी पटाखे के प्रकार, उसकी संरचना, निर्माण की गुणवत्ता और उपयोग के तरीके पर निर्भर करती है।

ये सूक्ष्म प्रदूषक कणों और कुछ हानिकारक पदार्थों के उत्सर्जन को कम कर सकते हैं, लेकिन इनसे भी धुआँ, गैसें और शोर उत्पन्न होते हैं। जब कम समय में बड़ी संख्या में पटाखे जलाए जाते हैं, तो उनका सामूहिक प्रभाव स्थानीय वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

इसलिए 'ग्रीन पटाखे' शब्द से यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि ये पर्यावरण के लिए पूरी तरह हानिरहित हैं।

पटाखों का स्वास्थ्य पर प्रभाव

पटाखों के धुएँ में सूक्ष्म कण और गैसें हो सकती हैं, जो आँखों, गले और श्वसन तंत्र में जलन पैदा करती हैं। बहुत छोटे कण फेफड़ों के भीतर तक पहुँच सकते हैं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस तथा अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकते हैं।

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ और हृदय या फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित लोग इस प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। तेज धमाकों से तनाव, नींद में बाधा और सुनने की क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

ग्रीन पटाखों का उपयोग करने पर भी धुएँ और अत्यधिक शोर से बचना आवश्यक है।

क्या ग्रीन पटाखे वास्तव में पर्यावरण-अनुकूल हैं?

ग्रीन पटाखे प्रदूषण कम करने की दिशा में एक प्रयास हैं, लेकिन वे पर्यावरण की सभी समस्याओं का समाधान नहीं हैं। इनके लाभ वैज्ञानिक परीक्षण, वास्तविक निर्माण, प्रमाणन और जिम्मेदार उपयोग पर निर्भर करते हैं। उपभोक्ताओं को केवल अधिकृत पटाखे ही खरीदने चाहिए और उनकी पहचान संबंधी जानकारी की जाँच करनी चाहिए। ग्रीन पटाखों के नाम पर बेचे जाने वाले नकली या गैर-मानक उत्पाद निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर सकते।

यह भी याद रखना जरूरी है कि प्रदूषण कम करना केवल पटाखों का प्रकार बदलने से संभव नहीं है। उनकी कुल खपत घटाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

हरित दीवाली कैसे मनाएँ?

कुछ सरल और सार्थक कदम अपनाकर हम स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल दीवाली मना सकते हैं-

पारंपरिक मिट्टी के दीयों और ऊर्जा बचाने वाली रोशनी को प्राथमिकता दें।

पटाखों का उपयोग कम करें या पूरी तरह उनसे बचें।

यदि पटाखे चलाने ही हों, तो केवल अधिकृत ग्रीन पटाखे खरीदें।

अस्पतालों, स्कूलों, पशुओं और भीड़भाड़ वाले आवासीय क्षेत्रों के पास पटाखे न चलाएँ।

छोटे बच्चों को बड़ों की निगरानी के बिना पटाखे न चलाने दें।

पटाखों के अवशेष और पैकेजिंग का उचित तरीके से निपटान करें।

रोशनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आपसी मेल-जोल पर आधारित सामूहिक आयोजनों को प्रोत्साहित करें।

स्कूल, आवासीय कल्याण समितियाँ और सामाजिक संगठन भी वायु गुणवत्ता, ध्वनि प्रदूषण तथा जिम्मेदारी से त्योहार मनाने के बारे में जागरूकता फैला सकते हैं।

पटाखों से आगे- सोच में बदलाव : वास्तव में हरित दीवाली का निर्धारण पटाखे के रंग या उस पर लगे लेबल से नहीं होता। इसका असली आधार मानव स्वास्थ्य, पशु-पक्षियों और पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनशीलता है। त्योहार खुशियाँ लेकर आने चाहिए, न कि साँस लेने में परेशानी, शोर से तनाव और पर्यावरण को नुकसान। ग्रीन पटाखे प्रदूषण कम करने की दिशा में एक कदम हो सकते हैं, लेकिन सबसे प्रभावी उपाय उनका उपयोग सीमित करना और दीवाली मनाने के स्वच्छ विकल्प अपनाना है।

रात्रि-भोजन का अपना शब्द क्यों नहीं? भाषा, संस्कृति और परंपरा का अनोखा संबंध

डॉ. विजय गर्ग

भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह किसी समाज की संस्कृति, जीवनशैली, परंपराओं और ऐतिहासिक अनुभवों का आईना भी होती है। हमारे दैनिक जीवन में भोजन का विशेष महत्व है। सुबह के भोजन को नाश्ता, दोपहर के भोजन को दोपहर का खाना और रात के भोजन को रात का खाना कहा जाता है। लेकिन एक दिलचस्प सवाल यह है कि हमारी अनेक भारतीय भाषाओं में रात्रि-भोजन के लिए कोई ऐसा विशिष्ट और सर्वमान्य पारंपरिक शब्द क्यों नहीं है, जैसा सुबह और दोपहर के भोजन के लिए प्रचलित है?

हिंदी में सुबह के भोजन के लिए नाश्ता और दोपहर के भोजन के लिए दोपहर का खाना या भोजन जैसे शब्द प्रचलित हैं। रात के भोजन के लिए सामान्यतः रात का खाना या रात्रि-भोजन कहा जाता है। पंजाबी में सुबह के भोजन को, दोपहर के भोजन को और रात के भोजन को कहा जाता है। इसी प्रकार विभिन्न भारतीय भाषाओं में भोजन के समय और प्रकृति के अनुसार अलग-अलग अभिव्यक्तियां मिलती हैं।

इसका एक महत्वपूर्ण कारण हमारी पारंपरिक जीवनशैली हो सकती है। पुराने समय में अधिकांश भारतीय समाज कृषि आधारित था। लोग सूर्योदय के साथ अपने काम शुरू करते थे और सूर्यास्त के बाद गतिविधियां सीमित हो जाती थीं। भोजन का समय भी प्राकृतिक दिनचर्या और श्रम के अनुसार निर्धारित होता था। सुबह और दोपहर के भोजन की अपनी विशेष उपयोगिता थी, जबकि शाम को लिया जाने वाला भोजन सामान्यतः घर के पारिवारिक जीवन का हिस्सा होता था। इसलिए उसके लिए अलग नाम विकसित होने के बजाय समय बताने वाली अभिव्यक्तियां अधिक प्रचलित हो गईं।

भाषा का विकास समाज की आवश्यकताओं के अनुसार होता है। जिन चीजों की दैनिक जीवन में अलग पहचान और उपयोगिता होती है, उनके लिए विशेष शब्द विकसित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, विभिन्न क्षेत्रों में सुबह के भोजन के लिए नाश्ता, जलपान, कलेवा और अल्पाहार जैसे शब्द मिलते हैं। इसी प्रकार रात के भोजन के लिए भी कई भाषाओं और क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानीय शब्द और बोलियां प्रचलित हैं। इसलिए यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि रात्रि-भोजन के लिए हमारी भाषाओं में कोई शब्द मौजूद ही नहीं है। अंतर केवल इतना है कि सभी क्षेत्रों में कोई एक समान शब्द प्रचलित नहीं हुआ।

अंग्रेजी भाषा में सुबह के भोजन को दोपहर के भोजन को ल्ह्ठुष्द्ध और रात के भोजन को कहा जाता है। ये शब्द भोजन के समय और सामाजिक परंपराओं के आधार पर विकसित हुए हैं। अंग्रेजी में का अर्थ हमेशा रात का भोजन ही नहीं होता; कुछ परिस्थितियों में यह दिन के मुख्य भोजन के लिए भी प्रयुक्त होता है। इससे स्पष्ट होता है कि शब्दों का अर्थ केवल समय से नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों से भी निर्धारित होता है।

भारतीय भाषाओं में भोजन से जुड़े शब्दों की विविधता हमारी सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। कहीं रात के भोजन को रोटी, कहीं खाना, कहीं ब्यालू और कहीं भोजन कहा जाता है। दक्षिण भारत की कुछ भाषाओं में रात्रि-भोजन के लिए विशिष्ट स्थानीय शब्द भी प्रचलित हैं। कन्नड़ में %??% (ऊटा) भोजन के लिए एक सामान्य शब्द है, जबकि मराठी में %जेवण% का प्रयोग भोजन के अर्थ में होता है।

आज बदलती जीवनशैली ने भोजन के समय और स्वरूप को भी प्रभावित किया है। शहरों में देर रात तक काम करना, बदलते रोजगार, संयुक्त परिवारों का कम होना और फास्ट फूड संस्कृति का विस्तार हमारी भोजन संबंधी आदतों को बदल रहे हैं। अब रात का भोजन केवल पारिवारिक परंपरा नहीं, बल्कि व्यस्त जीवन का एक आवश्यक हिस्सा भी बन गया है।

इस विषय पर विचार करना केवल शब्दों की खोज तक सीमित नहीं है। यह हमारी भाषाओं के विकास, सांस्कृतिक पहचान और बदलती सामाजिक परंपराओं को समझने का अवसर भी प्रदान करता है। हमें अपनी मातृभाषाओं के स्थानीय शब्दों, मुहावरों और अभिव्यक्तियों को संरक्षित करना चाहिए। भाषाओं की वास्तविक सुंदरता उनकी विविधता और लोकजीवन से जुड़े शब्दों में छिपी होती है।

अंततः, किसी भाषा में किसी विशेष शब्द का कम प्रचलित होना उसकी कमजोरी नहीं है। भाषा समाज के साथ विकसित होती है और उसकी आवश्यकताओं के अनुसार नए शब्द अपनाती रहती है।

निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा परिसर के लिए पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने की समीक्षा

भोपाल, जीएनएस।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लक्ष्मणबाग संस्थान की भूमि पर रीवा के लक्ष्मणबाग से कुठुलिया मार्ग में बिछिया नदी पर जलमग्नीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिवशेखर शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।



उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जिला प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाकर भूमि अर्जन सहित आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग को भूमि अर्जन के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए, ताकि भूमि अर्जन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ एवं पूर्ण किया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब न हो तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन का महत्वपूर्ण केंद्र है। विश्वविद्यालय के नवीन भवन तक सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय के महत्व को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य से संबंधित सभी प्रक्रियाएं प्राथमिकता से पूर्ण की जाएं।

भारतीय किसान संगठन ने ज्ञापन नायबतहसीलदार को सौपा

जालौन, जीएनएस।



भारतीय किसान संगठन ने किसानों की समस्या से संबंधित 8 सूत्री ज्ञापन उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नायबतहसीलदार को सौंप कर निस्तारण किए जाने की गुहार लगायी सोमवार के दिन भारतीय किसान संगठन तहसील अध्यक्ष अजय पाल सिंह ने अपने साथियों की मौजूदगी में तहसील कालपी कार्यालय में मौजूद नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्लाको ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि झमाझम वर्षा से किसानो की फसल 100त्न नष्ट हो गई है कृषकों को सहायता धनराशि दिलाए जाने की मांग की उन्होंने कहा कि रवि की बुवाई शुरू हो गई है सहकारी समितियां में सरकारी रेट पर उर्वरक उपलब्ध कराये जाने की मांग की उन्होंने कहा कि नलकूप यांत्रिक कर्मियों से खराब पड़े हैं खराब पड़े नलकूपों को ठीक कराई जाने की मांग की आदि मांगों को लेकर शीघ्र ही किसानों की समस्याओं का निस्तारण किए जाने की मांग की ज्ञापन देने के पूर्व मंडी समिति कालपी में किसानो की समस्या युक्त बैठक हुई जिसमें समस्याओं को शीघ्र निस्तारण करने के लिए पूरी तरह से रणनीत बनी ज्ञापन देने वालों में नरेंद्र सिंह सत्येंद्र सिंह नरेंद्र प्रताप सिंह सुरेश सिंह उदय सिंह विनोद सिंह महेश प्रसाद आदि लोग मौजूद थे।

अध्यक्ष की हत्या पर बार एसोसिएशन ने शोक संवेदना प्रकट कर अदालत से विरत रहे

जालौन, जीएनएस।



वारसंघ अध्यक्ष गयादीन अहिरवार की निर्मम हत्या की घटना पर बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं ने सभी अधिवक्ताओं की मौजूदगी में शोक सभा आयोजित की गई।

सोमवार के दिन तहसील प्रांगण में पूर्व अध्यक्ष अमर सिंह निषाद की अध्यक्षता में अधिवक्ताओं की मौजूदगी में शोक सभा बैठक कर मौजूद लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण कर शोक संवेदना प्रकट की तथा मृतक परिवार को धैर्य धारण बनाए रखने हेतु ईश्वर से कामना की सभी अधिवक्ता गण न्यायालय कार्यपालिका न्यायालय आदि से विरत रहे शोक संवेदना प्रकट करने वालों में राकेश द्विवेदी जय किशोर कुलश्रेष्ठ सिद्धन बाबू पीयूष दीक्षित रवि तिवारी मोहित द्विवेदी राजेंद्र तिवारी बृज नारायण तिवारी राधेश्याम गुप्ता मनोज जाटव राकेश प्रणामी अपूर्व श्रीवास्तव रामकुमार तिवारी बाबूराम श्रीवास जयवीर सिंह यादव जावेद अली हाशमी मोहनलाल श्रीवास रविंद्र श्रीवास्तव इकबाल अहमद राजेश गुप्ता देवेंद्र श्रीवास्तव मनोज दीक्षित आदि लोग मौजूद थे।

कड़ी सुरक्षा के तहत परिवार तथा जन सैलाब की मौजूदगी में वार संघ अध्यक्ष मृतक शव का नम आंखों से किया अंतिम संस्कार

जालौन, जीएनएस।



सोमवार सुबह बार सघ अध्यक्ष मृतक अवस्था में शवको परिवार के लोग निज निवास दरवाजे के बाहर रखकर अपनी मांगों लेकर मांग कर रहे थे तब तक उनका अंतिम संस्कार न करने हेतु आक्रोश प्रकट कर रहे थे वहीं घटना की सूचना पाकर उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य सीओ राजेश कमल प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने सर्वाधिक पुलिस बल के साथ एवं सर्वाधिक संख्या में अधिवक्ता ग्रहण समेत निज निवास पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाते हुए अंतिम संस्कार के लिए मनाया मौजूद परिवार ने आश्वासन मिलते हुए अधिकारियों की बात मानकर उनके शव को कड़ी सुरक्षा के चलते उपरोक्त जन सैलाब की उपस्थिति में शव यात्रा निज निवास से नगर की विभिन्न सड़कों में यात्रा निकालकर बाई घाट यमुना तट पर पहुंची परिवार तथा उपरोक्त अधिकारी जन प्रतिनिधियों अधिवक्ताओं तथा गणमान्य लोगों एवं सर्वाधिक पुलिस जवानों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया मौजूद लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर मृतक परिवार को धैर्य धारण बनाए रखने हेतु ईश्वर से कामना की मौजूद लोगों में उपरोक्त अधिकारी एवं पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव पूर्व मंत्री श्री रामपाल पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सरसेला बसपा पूर्व जिला अध्यक्ष अतर सिंह पाल विधानसभा कालपी बसपा पार्टी प्रत्याशी वीरपाल सिंह चौहान नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि जगजीवन अहिरवार पूर्व बार संघ अध्यक्ष जय किशोर कुलश्रेष्ठ सिद्धन बाबू अधिवक्ता राकेश द्विवेदी रामकुमार तिवारी अमर सिंह निषाद अपूर्व श्रीवास्तव शीतला प्रसाद उर्फ सेवा दद्दा मनोज जाटव दिनेश बाबू श्रीवास्तव रवि तिवारी राजेंद्र तिवारी जयवीर सिंह आदि हजारों लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत वीरपुर में जनसंवाद कार्यक्रम 06 को

श्योपुर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत 06 नवंबर को विजयपुर विकासखण्ड के ग्राम वीरपुर में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित उक्त जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत वीरपुर सहित बडागांव, दिमरछा, घूघस, गोहर, जाखेर, नदीगांव, नितनवास, पांचो, श्यारदा, श्यामपुर, धोरीबावडी, जमूर्दी, पराष्ठा, पुरा एवं ओछा शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा।

19 नवंबर वीरांगना जयंती : ब्रह्म मातृ शक्ति सम्मेलन, गंगा दास की बड़ी शाला में होगा



ग्वालियर, जीएनएस।

सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर द्वारा बैठक संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सुधा दीक्षित,निशा शुक्ला, संगीता शर्मा ने कहा कि सामाजिक उत्थान के साथ राष्ट्रीयता और धार्मिकता के लिए भी कार्य होना चाहिए। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना लक्ष्मीबाई की 198 जयंती के अवसर पर ग्वालियर में 745 साधू,संत,महंतों की बलिदान स्थली पर गंगा दास की बड़ी शाला, लक्ष्मीबाई कालोनी में ब्रह्म मातृ शक्ति सम्मेलन 19 नवंबर को 2-30 बजे सकल ब्राह्मण महा समिति की महिला अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज जी की अध्यक्षता में में तथा मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर महंत रामसेवक दास जी महाराज जी होंगे। जिसमें 57 समाज सेविकाओं को सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन में शास्त्र शिक्षा, शस्त्र शिक्षा,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ,स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक समरसता , परिवारिक समस्या का समाधान, भारतीय संस्कृति के अनूकूल महिलाओं में 16 श्रंगार के विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानार्जन कराया जाएगा। उमेश देवेंद्र कुमार पाठक ने सैकड़ो विवाह योग्य लड़के लड़कियों के बायोडाटा की जानकारी दी जाएगी। सकल ब्राह्मण महासमिति के कोषाध्यक्ष योगेंद्र दीक्षित एवं पदाधिकारियों ने निर्धन बच्चों को दीपावली के उपहार वितरित किए । अध्यक्षीय आसन्न से डॉ. जयवीर भारद्वाज ने कहा कि मातृ शक्ति का सम्मान हर समाज को करना चाहिए विषम परिस्थितियों में भी महिलाओं को संयम एवं धैर्य रखने से समस्याओं का समाधान हो जाता है । ब्रह्म मातृ शक्ति सम्मेलन के संयोजक मंडल में श्रीमती आशा त्रिपाठी,अंजू दीक्षित, माया भारद्वाज आदि।



जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण मे अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिंह भदोरिया, वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता, सीइओ श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव द्वड्डह्य द्वारा जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है 30 प्रकरणों में 22 का निराकरण किया बाकी प्रकरणों में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरीत प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी श्री बृजेश शर्मा , ई.ई. देवेंद्र गुप्ता, ए. ई. इंजीनियर सुनील शुक्ला, दीपक पाठक वरिष्ठ लेखा,ऑफिसर , तकनीक शाखा प्रभारी, श्रीमती अनीता भदकारिया ऑफिस सुपरीटेंडेंट, प्रभारी भूखंड संदीप तिवारी प्रभारी भूखंड मनोज माथुर, अशोक इंग्ले सहित सेक्सन के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

आजम खान की गिरफ्तारी : कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?

सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े



करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

जब प्रकृति की पीड़ा तूफान बनकर उठती है...

जब मनुष्य भीतर से बहुत दुःखी होता है, लेकिन अपनी पीड़ा किसी से कह नहीं पाता, तब उसके मन में विचारों के तूफान उठते हैं। समुद्र की गहराइयों से बार-बार उठते चक्रवात भी मानो प्रकृति की ऐसी ही अनकही व्यथा का संकेत दे रहे हैं।

कभी-कभी मनुष्य का मौन उसके शब्दों से कहीं अधिक बोलता है। पीड़ा जब बाहर आने का रास्ता नहीं पाती, तो वह भीतर ही भीतर बेचैनी बनकर उमड़ती रहती है। प्रकृति की ओर देखें तो आज कुछ ऐसा ही दृश्य दिखाई देता है। पहले अर्नब और अब मुरासु–लगातार उठते चक्रवातों ने समुद्र की सतह पर ही नहीं, हमारे मन में भी अनेक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। मानो सागर अपनी अनकही बेचैनी तूफानों के रूप में व्यक्त कर रहा हो।

निश्चित रूप से चक्रवात प्राकृतिक मौसमी प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं। समुद्र का तापमान, वायुमंडलीय दबाव, नमी और हवाओं की दिशा-संरचना इनके बनने और तीव्र होने में भूमिका निभाती है। हर तूफान को सीधे मानवीय गतिविधियों का परिणाम कहना उचित नहीं, लेकिन बढ़ते समुद्री तापमान और चरम मौसमी घटनाओं के दौर में इन्हें सामान्य कहकर टालना भी समझदारी नहीं है।

प्रश्न यह है कि प्रकृति के साथ हमने कैसा व्यवहार किया है? यह चेतावनी किसी एक तट की नहीं; हर उस समाज की है जो प्रकृति की सहनशीलता को उसकी असीम क्षमता समझ बैठा है। विकास की दौड़ में हमने यह देखना छोड़ दिया कि हमारी प्रगति की कीमत कौन चुका रहा है। पहाड़ काटे गए, जंगल उजाड़े गए, नदियों के रास्ते रोके गए, आर्द्रभूमियाँ पाट दी गईं और समुद्रों में प्लास्टिक तथा औद्योगिक कचरा पहुँचाया गया। प्रकृति को संसाधन समझा, अपना संबंध नहीं।

उपयोग और दोहन में अंतर है। उपयोग आवश्यकता पूरी करता है, जबकि अंधाधुंध दोहन आने वाली पीढ़ियों का हिस्सा भी आज खर्च कर डालता है। सड़क बनाते समय विकास के नाम पर जब पेड़ों की कतारें मिटा दी जाती हैं, जब नदियों को नालों में बदल दिया जाता है, जब भूजल को इस तरह निकाला जाता है मानो उसका भंडार कभी समाप्त ही नहीं होगा, तब हम केवल पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाते; अपने ही जीवन की बुनियाद कमजोर करते हैं।

समुद्र भी हमारी इस लापरवाही से अछूता नहीं है। तटीय क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण, मैंग्रोव वनों का विनाश, समुद्री प्रदूषण और प्राकृतिक तटों में बदलाव समुद्री पारिस्थितिकी को कमजोर करते हैं। मैंग्रोव केवल पेड़ नहीं, समुद्र और धरती के बीच खड़ी जीवनरक्षक ढाल हैं। वे तूफानी लहरों की मार घटाने, तटों को थामने और अनेक जीवों को आश्रय देने में मदद करते हैं। इन्हें काटकर हम सुरक्षा की प्राकृतिक दीवार गिरा देते हैं और बाद में लहरें घरों तक पहुँचें तो उसे केवल आपदा कहते हैं।

हर आपदा प्रकृति का दंड नहीं; प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती। लेकिन उसके संतुलन की अपनी सीमाएँ हैं। हम उन सीमाओं की अनदेखी करते हैं तो उसका असर बाढ़, सूखा, असहनीय गर्मी, अनियमित वर्षा, भूस्खलन और समुद्री तूफानों के रूप में हमारे सामने आता है। नुकसान सबसे अधिक उन लोगों को झेलना पड़ता है जिनका जीवन प्रकृति के सबसे निकट है, मछुआरे, किसान, तटीय बस्तियों के परिवार और रोज कमाकर खाने वाले श्रमिक। किसी की छत उड़ती है, नाव टूटती है, फसल डूबती है और बच्चे की किताबें पानी में बह जाती हैं। आँकड़ों के पीछे ऐसी अनगिनत पीड़ाएँ होती हैं।

हम अक्सर तूफान के गुजर जाने के बाद राहत, मुआवजे और पुनर्निर्माण की चर्चा करते हैं। यह जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी है कि हम उन कारणों पर विचार करें जो जोखिम बढ़ाते हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना, तटीय नियोजन को प्रकृति के अनुरूप बनाना, मैंग्रोव और आर्द्रभूमियों की रक्षा करना, उत्सर्जन घटाना और आपदा से पहले सुरक्षित निकासी की तैयारी करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऊँची इमारतें नहीं, प्रकृति के साथ संतुलन स्थायी सुरक्षा दे सकता है।

इस बदलाव की शुरुआत बड़े मंचों से नहीं, हमारे रोजमर्रा के व्यवहार से भी हो सकती है। पानी बचाना, ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना, पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करना, स्थानीय जलस्रोतों को बचाना और अनावश्यक उपभोग कम करना छोटे कदम लग सकते हैं, लेकिन करोड़ों लोगों के जीवन में यही कदम बड़ा परिवर्तन बनते हैं। सरकारों और उद्योगों को नीतियों, निर्माण और उत्पादन में पर्यावरणीय सीमाओं का सम्मान करना होगा।

अर्नब और मुरासु के बीच का छोटा-सा अंतराल हमें ठहरकर सोचने का अवसर देता है। समुद्र की हर उठती लहर को संदेश मान लेना विज्ञान नहीं, लेकिन समुद्र के बदलते व्यवहार से उठे सवालों को अनसुना करना भी विवेक नहीं। शायद प्रकृति हमें कोई शब्दों वाला संदेश नहीं दे रही, वह अपने बदलते संकेतों के माध्यम से हमारी ही बनाई परिस्थितियों का आईना दिखा रही है। शांत समुद्र यह भ्रम न दे कि सब पहले जैसा हो गया; उजड़े घर और डूबी आजीविकाएँ लंबे समय तक तूफान की कहानी कहती हैं।

मनुष्य जब किसी अपने की पीड़ा नहीं समझता, तो रिश्तों में दूरी बढ़ती है। प्रकृति की पीड़ा को अनदेखा करेंगे तो हमारा अपना भविष्य हमसे दूर होता जाएगा। धरती साझा घर है, जीतने की वस्तु नहीं; समुद्र जीवंत पारिस्थितिकी है, असीम भंडार नहीं। विकास चाहिए, लेकिन ऐसा विकास जो जीवन को बचाए, जीवन के आधार को नष्ट करके उपलब्धियाँ न गिने। शायद अब समय आ गया है कि हम समुद्र के शोर में छिपे अपने प्रश्न सुनें। प्रकृति को बोलने के लिए तूफानों की जरूरत न पड़े, इसके लिए हमें उसके मौन संकेत समझने होंगे। क्योंकि जब संतुलन टूटता है, तो उसकी कीमत केवल जंगल, नदियाँ या समुद्र नहीं चुकाते, अंततः मनुष्य भी चुकाता है।

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया
स्वतंत्र लेखक
इंदौर
मो.9826050406

सात वर्ष बाद ललितपुर छावनी में समाज का सामूहिक विवाह आयोजन, सर्वसम्मति से 21 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य निर्धारित

ग्वाल समाज सकल पंच की सामाजिक बैठक ललितपुर में आयोजित, 11 फरवरी बसंत पंचमी को होगा विवाह सम्मेलन

शिवपुरी जीएनएस

ग्वाल समाज की सामाजिक एकता, संगठनात्मक समन्वय एवं पुरातन पंचायती परंपराओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ललितपुर के गोकुलम आश्रम में ग्वाल समाज सकल पंच की सामाजिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिवपुरी, सागर, बीना, मुंगावली, झांसी एवं ललितपुर सहित समाज की विभिन्न छावनियों से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सहभागिता की। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 11 फरवरी 2027, बसंत पंचमी के अवसर पर ललितपुर छावनी में आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए ग्वाल समाज सकल पंच शिवपुरी के अध्यक्ष राजू यादव ग्वाल ने बताया कि ग्वाल समाज अपनी पुरातन परंपराओं और सामाजिक पंचायती व्यवस्था को आज भी महत्व देता है। समाज की सभी बारह छावनियों में सकल पंच की व्यवस्था सामाजिक एकता और समन्वय का आधार है। इसी संगठनात्मक शक्ति और सभी छावनियों के सहयोग से सात वर्ष बाद एक बार फिर ललितपुर छावनी में आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।



अभी 21 जोड़ो का विवाह करने का लक्ष्य, अधिक होने पर पंजीयन तिथि की अंतिम दिवस के पूर्व भी जोड़ हों सकेंगे शामिल : इस दौरान बताया गया कि इस विवाह सम्मेलन में प्रारंभिक रूप से 21 विवाह योग्य जोड़ों के विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया जाएगा कि वे अधिक से अधिक विवाह योग्य जोड़ों का पंजीयन कराएं तथा सपरिवार सम्मेलन में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं। निर्धारित लक्ष्य के अतिरिक्त भी यदि अन्य जोड़ों के आवेदन प्राप्त होते हैं तो पंजीयन की अंतिम तिथि से पूर्व उन्हें भी शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

सभी छावनियों के प्रतिनिधियों ने दिया सहयोग का आश्वासन : बैठक में ललितपुर छावनी से महाते लक्ष्मी नारायण एवं पूर्व पार्षद संजय सुरा, शिवपुरी से प्रेम पड़रिया महाते, खुमान चंदेल, भूपेंद्र दीवान, युवा अध्यक्ष लाल पड़रिया एवं पत्रकार राजू यादव ग्वाल, बीना से भूपत हिन्वार, महेंद्र वानिये एवं टार्जन हिन्वार, सागर से दीना लम्बरदार, मोतीलाल स्वामी, हीरा पड़रिया, सूबेदार शिव प्रसाद, दिलीप दीवान, पुरुषोत्तम रियार, शंकर पहलवान एवं राजकुमार कच्छवाए, गोपाल फौजी, झांसी से शेर सिंह रियार (चौधरी), अशोक हिन्वार, जितेंद्र चंदेल, मुन्ना रियार एवं विजय, मुंगावली से नेतराम महाते एवं बंटी सहित विभिन्न छावनियों के अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया। अंत में ललितपुर छावनी के महाते लक्ष्मी नारायण एवं संजय सुरा ने सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

कैट के द्वारा व्यापारी संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

मप्र स्थापना दिवस पर कैट ने शुरू किया 'एक जिला-एक वटवृक्ष संकल्प' अभियान, जिले भर में किया जाएगा पौधारोपण

शिवपुरी जीएनएस

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेशव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान 'एक जिला-एक वटवृक्ष संकल्प' आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 1 नवंबर 2026 को प्रदेश के सभी जिलों में वटवृक्ष (बरगद) के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। कैट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से प्रदेश के सभी पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों एवं जिला अध्यक्षों से अपने-अपने जिलों में इस अभियान को प्रभावी रूप से आयोजित करने की अपील की गई। कैट जिला इकाई अध्यक्ष गंगाधर गोयल महासचिव सौरभ सांखला ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 नवंबर को आयोजित इस अभियान में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रभारी ग्वालियर संभाग कैट मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जैन (पीएस), जिला कोषाध्यक्ष गिरीश जैन एवं जिला संगठन मंत्री गोपेन्द्र जैन सहित समस्त कैट सदस्यों ने मिलकर जिले में पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर सभी कैट साथियों ने तात्याटोपे पार्क में उत्थान एनजीओ बच्चों के साथ तात्या टोपे पार्क की सफाई में सहयोग कर पौधारोपण करा। इस कार्य में कैट के कृष्णमोहन अग्रवाल(बंटी), रघुवीर गुप्ता, राजीव निगौती, सुनील माहेश्वरी, दीपक गोयल, राजकुमार जैन, रवि गोयल, तोमर साहब, सुरेश बंसल आदि मौजूद रहे। कैट सदस्यता महाअभियान के तहत आज मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के पावन अवसर पर श्री राजकुमार जैन , ग्वालियर शूटिंग वालो को प्राथमिकता सदस्य बना कर सदस्यता अभियान की शुरुआत करी गई।

डॉ. सुनील तोमर ने हासिल की एमडी बायोकेमिस्ट्री की डिग्री

शिवपुरी जीएनएस

अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट कार्यशैली के बल पर शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के होनहार चिकित्सक डॉ. सुनील तोमर ने एक और उल्लेखनीय सफलता अपने नाम कर ली है। शनिवार को घोषित हुए परीक्षा परिणाम में उन्होंने एमडी (बायोकेमिस्ट्री) की डिग्री सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से न केवल उनके परिजनों और शुभचिंतकों में, बल्कि पूरे मेडिकल कॉलेज परिसर व क्षेत्र वासियों में हर्ष का माहौल है।

लंबे समय से महसूस हो रही थी विशेषज्ञ चिकित्सक की आवश्यकता : जानकारी के मुताबिक शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग के अंतर्गत बायोकेमिस्ट्री विंग में एक कुशल विशेषज्ञ चिकित्सक की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब डॉ. सुनील तोमर के इस महत्वपूर्ण पद और विशेषज्ञता के साथ जुड़ने से विभाग को उच्च स्तरीय मजबूती मिलेगी। उनके मार्गदर्शन और सेवाओं से आम मरीजों को पैथोलॉजी संबंधी सभी प्रकार की जटिल जांचों तथा आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ और अधिक सुगमता और सटीकता के साथ मिल सकेगा। अपनी कार्यकुशलता और मिलनसार स्वभाव के कारण डॉ. सुनील तोमर क्षेत्र में एक प्रभावी और लोकप्रिय छवि रखते हैं। वे मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रदुम्न सिंह तोमर तथा सेवानिवृत्त डीएसपी सुरेश सिंह सिकरवार के बेहद करीबी और विश्वासपात्र माने जाते हैं।

एकल विद्यालय एवं हैप्पी डेज स्कूल के एनएसएस विद्यार्थियों ने आदिवासी बस्ती में मनाई दीपावली



शिवपुरी जीएनएस

दीपावली के पावन पर्व पर सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकार की भावना के साथ विनायक आश्रम के पीछे स्थित आदिवासी बस्ती में एक विशेष सेवा एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एकल विद्यालय के आचार्यों एवं सदस्यों के साथ एकल विद्यापीठ और हैप्पी डेज स्कूल की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से सहभागिता करते हुए आदिवासी बच्चों को गर्म कपड़े, मिठाई, फल, बिस्किट एवं पटाखों का वितरण किया तथा उनके साथ खुशियां साझा कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं एकल विद्यालय के सदस्यों ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर एकल विद्यालय की विशेषताओं, उसकी कार्यप्रणाली और इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें नियमित रूप से पढ़ाई करने, एकल विद्यालय से जुड़ने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। एकल विद्यालय की संयोजक श्रीमती मजेजी अपने आचार्यों एवं समस्त सदस्यों के साथ बस्ती में पहुंचीं और बच्चों के बीच सेवा सामग्री का वितरण किया। वहीं हैप्पीडेज स्कूल के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया।

देश के 28 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों व शैक्षणिक बोर्ड सहित 40 टीमों के 2000 खिलाड़ी होंगे शामिल

राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का महाकुंभ 12 से, बैठक आयोजित



शिवपुरी जीएनएस

खेल प्रतियोगिताओं के क्रम में शिवपुरी जिले को एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। शिवपुरी की धरा पर 12 नवंबर से एथलेटिक्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का पहली बार आयोजन होने जा रहा है। जिसमें देश के 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों सहित विभिन्न शैक्षणिक बोर्ड को मिलाकर करीब 40 टीमें इस प्रतियोगिता में शामिल होने जा रही हैं। प्रतियोगिता को लेकर कलेक्ट्रेट में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। 70वीं राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स 17 वर्ष बालक वर्ग की प्रतियोगिता 12 नबंबर से 16 नबंबर तक जबकि 17 वर्षीय बालिका वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिता 19 नबंबर से 23 नबंबर तक आयोजित होगी।

जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमटे ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला ने की। बैठक में प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों के आवास, भोजन, परिवहन, खेल मैदान, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए गए।जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव ने तैयारियों को लेकर बिंदुबार चर्चा की। जिला क्रीड़ा अधिकारी बेमटे ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों एवं दलों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि शिवपुरी में राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का सफल एवं गरिमामय आयोजन किया जा सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कौशल किशोर गौतम, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय विवेक श्रीवास्तव, खाद्य अधिकारी, बीआरसीसी

खेल मशाल प्रज्जवलन के साथ राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

खिलाडियों ने किया मार्चपास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन



श्योपुर, जीएनएस।

श्योपुर जिले के खेल इतिहास में एक नया अध्याय आज जुडा, जिले में पहली बार अंडर-14 राज्य स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ क्रीड़ा परिसर, ढेंगदा में हुआ। मशाल प्रज्जवलन के साथ 70वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत सदस्य श्री गिरधारी बैरवा, भाजपा जिला महामंत्री श्री संजय अकोदिया, श्री जयदीप तोमर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, संभाग स्तरीय टीमों के जनरल मैनेजर, कोच, पीटीआई और सभी संभागों एवं जनजातीय कार्य विभाग की टीमों के खिलाडी और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के भव्य आयोजन की शुरूआत मॉ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत खिलाडियों द्वारा बैंड दल के साथ ट्रेक पर मार्चपास्ट किया गया।

जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा खेल ध्वजारोहण किया गया और नेशनल एनथम का आयोजन हुआ, इसके उपरांत उपस्थित अतिथियों द्वारा मशाल प्रज्जवलित की गई। एशियन गेम की 42 किलोमीटर मैराथन में गोल्ड जीतने वाले आर्मी के एक्स सब इस्पेक्टर श्री जटवीर सिंह द्वारा खिलाडियों के साथ ट्रेक पर खेल मशाल रिले किया गया। इसके उपरांत अतिथियों एवं खिलाडियों के सम्मान में सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी एथलेटिक्स खिलाडियों को खेल भावना की शपथ दिलाई गई। शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सेंट पायस स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा नशामुक्ति पर आधारित शिक्षाप्रद नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देते हुए नशामुक्त भारत अभियान का संदेश दिया गया। सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं द्वारा देशभक्तिपूर्ण गीत पर अपनी प्रस्तुतियां दी गई तथा शिक्षा विभाग की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील दुबे ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन उपरांत कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा खेल शुरू करने की विधिवत घोषणा की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले के लिए यह केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि जिले की खेल क्षमता, आयोजन कौशल और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन जिले के विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, निरंतर अभ्यास करने और खेल के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। इस दौरान उन्होंने खिलाडियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पहले दिन बालक एवं बालिका वर्ग के लिए 200 मीटर हीट दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत के अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया गया। हीट दौड प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी संभागों के खिलाडियों को उनके टाईमिंग प्रदर्शन के आधार पर सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक खंडेलवाल, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री जेपी जाटव, आवासीय विद्यालय ढेगदा के प्राचार्य श्री एमपी पिपरैया, खेल अधिकारी श्री अजय त्रिवेदी सहित अन्य स्थानीय पीटीआई और खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहें।

खुश करना नहीं, सही पुश करना जरूरी!

(संजय एम तराणेकर)

खेल की दुनिया भी बड़ी निराली है। यहां खिलाड़ी बल्ले से रन बनाते हैं और चयनकर्ता अपने फैसलों से सुर्खियां बटोरते हैं। कभी किसी खिलाड़ी को टीम से बाहर किया जाता है तो कभी किसी को लगातार मौके देकर भी उसका प्रदर्शन देखने की प्रतीक्षा की जाती है। मजे की बात यह है कि जब सवाल उठते हैं तो जवाब में सिद्धांतों की ऐसी झड़ी लगती है कि आलोचक भी सोच में पड़ जाते हैं।

आजकल अकड़वाली डायलॉगबाजी का जमाना है। अगर किसी ने जबर्दस्त आलोचना कर दी है तो भाई साहब अंदर तक चोट लग जाती है। चोट खाया वह इंसान यह सोचता है कि आज मैं ऐसा कोई डायलॉग दूं जिससे सब आलोचकों का मुंह बंद हो जाए। क्रिकेट के मैदान में जितने दर्शक अंदर रहते हैं उससे कई गुना दर्शक बाहर देखते हैं। ऐसे में किसी खिलाड़ी का फॉर्म जबरदस्त चल रहा हो और उसका सिलेक्शन ना हो तब सोशल मीडिया पर तो आलोचनाओं की झमाझम बरसात हो जाती है। लंबे समय से आलोचकों का दंश झेल रहे एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति ने बड़ा नुकीला जवाब दे दिया। उन्होंने कहा-卐मेरा काम सबको खुश रखना नहीं है, बल्कि सही फैसले लेना है।卐 यानि सही पुश करना वे जरूरी समझते हैं। असल में कोई चोटिल होगा, किसी की तबीयत खराब होगी तो किसी की कोई घरेलू समस्या होगी; अवसर तभी तो दूसरे को मिल पाएगा। भइये बात तो यह भी सही है। आखिर जिम्मेदारी का मतलब ही है कि लोकप्रियता की चिंता छोड़कर निर्णय लिए जाएं। लेकिन सवाल यह है कि सही फैसला कौन तय करेगा? फैसला लेने वाला स्वयं या मैदान में प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी?

हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं है। कमी है तो शायद प्रतिभा को पहचानने और उसे पर्याप्त अवसर देने की। किसी को एक-दो मैच में ही कसौटी पर कस दिया जाता है, तो किसी को लगातार असफलताओं के बाद भी उम्मीदों की ऑक्सीजन मिलती रहती है। चयन का तराजू भी कभी-कभी ऐसा दिखाई देता है, जिसमें प्रदर्शन से ज्यादा परिस्थितियों का वजन रखा जाता है।

ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा, खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और टीम का अनुशासन बेहद जरूरी हैं। मगर यह भी ध्यान रखना होगा कि अनुशासन के नाम पर सवाल पूछने की आजादी समाप्त न हो जाए। आलोचना को दुश्मनी समझना भी उचित नहीं है।

वैसे लोकप्रियता के पीछे भागना गलत है, लेकिन जनता की भावनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज करना भी समझदारी नहीं। आखिर खेल जनता के लिए भी होता है, केवल फैसले लेने वालों की प्रतिष्ठा के लिए नहीं।

अब देखना यह है कि आने वाले मुकाबलों में फैसले सही साबित होते हैं या फिर सही फैसलों को साबित करने के लिए नए-नए तर्क तलाशे जाते हैं। क्योंकि खेल में असली जवाब प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं, स्कोरबोर्ड देता है! खेल में जीत मिलती रहेगी तभी तो जिम्मेदारी की प्रीत भी मिलती रहेगी।

संजय एम तराणेकर

(कवि, लेखक व समीक्षक)

सीएम हेल्पलाइन - सकारात्मक निराकरण के निर्देश



श्योपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त मांगों एवं शिकायतों का निराकरण तत्परतापूर्वक तथा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किया जायें। उन्होंने कहा कि एल-1 पर शिकायत प्राप्त होते ही अटेंड करने की कार्यवाही की जायें।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान एसडीएम श्योपुर श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री शिवलाल शाक्य एवं सुश्री मेघा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में ए-ग्रेड लक्ष्य के अनुरूप निराकरण करें तथा संबंधित व्यक्ति से चर्चा कर शिकायत का समाधानपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराये। 50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जायें। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार की लोक सेवा प्रदान करने के लिए पदाभिहित अधिकारी समय पर लोक सेवाओं को प्रदान करें, अन्यथा समय अवधि से बाहर होने के 15 दिन पश्चात् 16वे दिन सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने आप पैनल्टी लग जाती है, संबंधित अधिकारी नियमित रूप से लोक सेवा से संबंधित आवेदनों का निराकरण समय अवधि में सुनिश्चित करें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा भी की गई।

सुरक्षित बचपन अभियान

निबंध प्रतियोगिता सह विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

श्योपुर, जीएनएस।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और माननीय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं श्री बीएल प्रजापति माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, श्योपुर में निबंध प्रतियोगिता सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर के दौरान उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे का बचपन सुरक्षित और खुशहाल होना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को पॉक्सो अधिनियम, 2012 के तहत मिलने वाले कानूनी संरक्षण, प्रावधानों, शिकायत एवं रिपोर्टिंग प्रकिया के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। व्यक्तिगत सुरक्षा और शारीरिक स्वायत्ता छात्राओं को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के बीच अंतर समझाया गया और किसी भी असहज स्थिति में बिना डरे अपने माता-पिता, शिक्षकों या भरोसेमंद वयस्कों को सूचित करने के लिए प्रेरित किया गया। इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग को देखते हुए बालिकाओं को साइबर गेमिंग, आपत्तिजनक फोटो साझा करने के खतरों, साइबर उत्पीड़न और डिजिटल स्पेस में सुरक्षित रहने के तौर-तरीकों के बारे में सतर्क किया गया। साथ ही छात्राओं के बीच निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन और छात्राओं ने इस ज्ञानवर्धक सत्र के लिए आभार व्यक्त किया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुश्री अंकिता शांडिल्य, जिला विधिक सहायता अधिकारी, विद्यालयीन शिक्षक-शिक्षकाएं एवं विद्यालयीन छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से परिवार को मिला 2 लाख का सहारा

श्योपुर, जीएनएस।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जरूरत के समय परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। इसी क्रम में ग्राम मानपुर निवासी स्व. श्रीमती रामदुलारी बाई आदिवासी के परिवार को योजना के अंतर्गत 2 लाख की बीमा राशि प्रदान की गई। स्व. श्रीमती रामदुलारी बाई आदिवासी की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। उनका भारतीय स्टेट बैंक की शिवपुरी रोड शाखा श्योपुर में बचत खाता था। उन्होंने अपने खाते के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 436 रूपये वार्षिक प्रीमियम पर बीमा करा रखा था। मृत्यु के उपरांत बीमा क्लेम की प्रक्रिया पूरी होने पर एसबीआई शिवपुरी रोड शाखा द्वारा उनके पति श्री रामलखन आदिवासी को 2 लाख रूपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर एसबीआई शिवपुरी रोड शाखा के शाखा प्रबंधक श्री मनोहर सिंह चंद्रावत, जिला अग्रणी प्रबंधक श्री दिनेश चन्द्र जाटव एवं क्षेत्राधिकारी श्री रविन्द्र मीना उपस्थित रहे। बीमा राशि का चेक प्राप्त होने पर श्री रामलखन आदिवासी ने बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

गोल पहाड़िया क्षेत्र से रिफिलिंग करते हुए चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग और व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य विभाग की कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस। घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और अवैध रिफिलिंग पर रोक लगाने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने सोमवार को गोल पहाड़िया क्षेत्र में मुकेश गैस रिफिलिंग के यहां जांच के दौरान चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। जांच में सामने आया कि घरेलू गैस सिलेंडरों से रिफिलर और पाइप के माध्यम से पांच किलोग्राम क्षमता वाले छोटे सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। इस गैस का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था।

विभाग ने मौके से चारों घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर राजा गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दे दिए हैं। इस मामले में संबंधित मुकेश कुशवाह के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार कर कलेक्टर महोदया के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग की इस कार्रवाई से घरेलू गैस सिलेंडरों के अनधिकृत उपयोग और अवैध रिफिलिंग पर रोक लगाने का संदेश गया है। घरेलू गैस का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हो, इसके लिए विभाग द्वारा ऐसी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।



दीपावली पर पटाखे चलाते समय बरतें सावधानी, छोटी सी लापरवाही बन सकती है बड़े हादसे की वजह

ग्वालियर, जीएनएस। दीपावली के त्योहार पर शहरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ग्वालियर के अग्निशमन विभाग ने आगजनी की घटनाओं से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि दीपावली पर आतिशबाजी करते समय विशेष सतर्कता बरतें, ताकि त्योहार की खुशियां किसी दुर्घटना में न बदलें। विभाग ने पटाखे चलाने से लेकर आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले उपायों तक के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने शहर वासियों से आग्रह किया कि पटाखे हमेशा खुले और सुरक्षित स्थान पर ही चलाएं। मकानों, दुकानों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और संकरी गलियों के आसपास आतिशबाजी करने से बचें। वाहनों, टेंट, टिन शेड और ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखे चलाना खतरनाक हो सकता है। बच्चों को अकेले पटाखे न चलाने दें और आतिशबाजी के दौरान किसी बड़े व्यक्ति की मौजूदगी सुनिश्चित करें। बच्चों को सूती कपड़े पहनाने की सलाह भी दी गई है, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े जल्दी आग पकड़ सकते हैं। विभाग ने नागरिकों से घर और दुकानों में आग से बचाव के जरूरी इंतजाम रखने की अपील की है। इसके लिए फायर एक्सटिंग्विशर, पानी से भरी बाल्टियां, रेत और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स तैयार रखने को कहा गया है। रॉकेट और आकाशीय पटाखे छोड़ते समय उनकी दिशा का विशेष ध्यान रखें, ताकि वे किसी मकान, घास-फूस की झोपड़ी या बालकनी में न गिरें। जलते हुए पटाखे को हाथ से पकड़ने की कोशिश न करें।

आग लगने पर 101 पर करें संपर्क: अग्निशमन विभाग ने अपील की है कि आसपास आग लगने या किसी दुर्घटना की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत नजदीकी फायर स्टेशन या अग्नि सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को सूचना दें।

इसके लिए फायर कंट्रोल रूम के नंबर 101, 0751-2342101, 2438361 और 2340489 जारी किए गए हैं। इसके साथ ही घरों की छतों और बालकनियों पर पुराना कबाड़, कपड़े, कचरा और लकड़ी के टुकड़े जमा नहीं रखने की सलाह दी गई है, ताकि आग फैलने की आशंका को कम किया जा सके।



मिशन 2027 के लिए महिला मोर्चा ने कसी कमर, पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

फिरोजाबाद, जीएनएस। भाजपा महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष अनुपम शर्मा के निवास पर सोमवार को संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने महिला कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने पर चर्चा हुई।

डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं। महिला मोर्चा की अध्यक्ष अनुपम शर्मा ने कहा कि उनकी टीम केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने के साथ अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ेगी। मिशन 2027 को लेकर अभी से कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। बैठक में संगठनात्मक जिम्मेदारियों के तहत प्रियंका गुप्ता, पूनम चौहान, कुसुमलता शर्मा, आशा भट्ट, विनिता गुप्ता, ज्योत्सना जैन, श्वेता यादव और रश्मि सिंह को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। रश्मि यादव, रचना वर्मा और रश्मि गुप्ता को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। किरण राठौर, गीता देवेंद्र राठौर, उर्वशी वर्मा, मिथिलेश बंसल, फरहाना खान, निशारिका वर्मा, प्रियंका जैन और मोनिका राठौर को जिला मंत्री बनाया गया। पूजा वाष्णेय को कोषाध्यक्ष तथा योगिता सोनी और ममता जोहरी को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रीति गुप्ता को मीडिया संयोजक, रीना शर्मा और मुक्ति शर्मा को सह-मीडिया संयोजक बनाया गया।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग, यातायात को बनाया सुगम

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर तेजी के साथ किया जा रहा हैं। नोडल अधिकारी पेंच रिपेयरिंग श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नम्बर 6, दर्शन सिंह गेट के पास मेला ग्राउंड के पास, पिपरोली रोड, वैष्णो धाम कॉलोनी, शताब्दीपुरम, चिरवाई नाका, मदनपुरा सहित अन्य मुख्य मार्गों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

रंगोली, कविता और भाषण से छात्राओं ने दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

फिरोजाबाद, जीएनएस। महात्मा गांधी बालिका पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं ने रंगोली, कविता, भाषण और नृत्य के माध्यम से नारी की शक्ति, आत्मनिर्भरता और समाज में उसकी भूमिका को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निष्ठा शर्मा, उर्दू विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जेबा फारूकी और ममता गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। छात्रा काम्या ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कुमकुम ने स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया।

छात्राओं ज्यो जावेद, लायबा नूर, खुशी, महक और इलमा ने महिला सशक्तिकरण विषय पर रंगोली बनाई। वहीं महक, सानिया, खुशी, इलमा और हीरा ने कविताओं के माध्यम से महिलाओं के विभिन्न रूपों और उनके संघर्ष को उजागर किया। काम्या सिंह, महक, अल्फिया, आलिया, इलमा और इमरान अंजुम ने भाषण के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक भूमिका और देश के विकास में उनके योगदान पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन भी इसके महत्वपूर्ण पहलू हैं।

महिला शक्ति ने गूंज संस्था को दिए कपड़े और सात हजार रुपए

फिरोजाबाद, जीएनएस। जायंट्स ग्रुप ऑफ फिरोजाबाद महिला शक्ति की सदस्यों ने दिल्ली भ्रमण के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों में भाग लिया। टीम ने गूंज संस्था पहुंचकर उसके सेवा कार्यों की जानकारी ली और जरूरतमंदों की मदद के लिए कपड़े व सात हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की।

फेडरेशन-5, यूनिट-8 के तहत आयोजित इस भ्रमण में सदस्यों ने गूंज संस्था के कार्यों को देखा। संस्था पुरानी और अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी उत्पादों में बदलकर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का काम करती है। संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर महिला शक्ति की सदस्यों ने कपड़ों का दान किया और सात हजार रुपये नकद दिए।

इसके बाद टीम ने अक्षरधाम मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंदिर की भव्यता और सुंदर वास्तुकला को देखकर सदस्य अभिभूत नजर आईं। सभी ने पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया।

भ्रमण में अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, प्रशासनिक निदेशिका दीपाली सिंघल, वित्त निदेशिका गौरी बंसल, परियोजना समन्वयक कल्पना राजौरिया, अनु बंसल, फेडरेशन सदस्य रश्मि अग्रवाल, वार्तिका जैन, मोनिका गर्ग, रेनू अरोड़ा, माधवी जैन और डिंपल जैन सहित अन्य सदस्य शामिल रहीं।

जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) के चम्बल संभाग प्रभारी पद सचिन जैन हुए नियुक्त

ग्वालियर, जीएनएस। पत्रकारिता और समाजसेवा में सक्रिय योगदान देने वाले जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन (आदर्श कलम) को ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) का ग्वालियर चंबल संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बाफना और प्रदेश महासचिव उमेश जैन ओर भिंड से प्रदेश उपाध्यक्ष सोनल जैन की संयुक्त अनुशंसा पर की गई। यह जिम्मेदारी सचिन जैन को 02 नवंबर 2026 से सौंपी गई है। संगठन ने विश्वास जताया है कि वे पत्रकारिता और समाज के हित में निरंतर कार्य करते हुए आईजा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगे। पिछली साल वे महासचिव पद की भूमिका निभा चुके हैं। चंबल संभाग प्रभारी पद पर जैन समाज ओर पत्रकारों में उत्साह- चंबल संभाग प्रभारी पद शोभित सचिन जैन की नियुक्ति से ग्वालियर जिले के पत्रकारों और जैन समाज के वरिष्ठजन, युवा, जैन मिलन संगठन के पदाधिकारी के बीच उत्साह का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में जिले में संगठन और अधिक सशक्त और सक्रिय होगा। ऑल इंडिया जैन संगठन की भूमिका-गौरतलब है कि ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) देशभर के जैन पत्रकारों को एक साझा मंच प्रदान करता है। संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा के साथ-साथ जैन संस्कृति, मूल्यों और प्रभावना के प्रचार-प्रसार में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।



सड़क सुरक्षा पर सवालः सुरक्षा के लिए बना डिवाइडर कहीं हादसों का हॉटस्पॉट तो नहीं!

सड़क पर पर्याप्त रोशनी और दिशा सूचक संकेतकों के अभाव में डिवाइडर वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बनता जा रहा है। जब भी मैं इस सड़क से गुजरता हूं, तो डिवाइडर का निर्माण करने वाले इंजीनियरों की कार्ययोजना पर सवाल उठना स्वाभाविक है। डिवाइडर का निर्माण जब पहली बार हुआ था, तभी यह अंदेशा हो गया था कि सुरक्षा के उद्देश्य से बनाया गया यह डिवाइडर कहीं हादसों का हॉटस्पॉट न बन जाए। आखिर सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखे बिना ऐसे निर्माण का क्या औचित्य? शासन-प्रशासन से मांग है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए डिवाइडर पर पर्याप्त रोशनी, रेडियम संकेतक, दिशा सूचक बोर्ड एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजाम तत्काल कराए जाएं, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था में सुधार हो सके।



पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता–पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा

पुलिस महानिदेशक ने जनसुनवाई, शिकायतों के समयबद्ध निराकरण और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रभावी प्रयासों की दी जानकारी



भोपाल, जीएनएस।

पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण, सेवा सुविधाओं और कार्य परिस्थितियों में निरंतर सुधार के उद्देश्य से राज्य संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक आज पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित हुई। बैठक में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों से जुड़े विभिन्न कल्याणकारी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।

बैठक की शुरुआत देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी निरीक्षक श्री दिलीप पुरी के कर्तव्य निर्वहन के दौरान गत रात्रि हुए आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त कर की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस एक अनुशासित वर्दीधारी संगठन है। संगठन की कार्यक्षमता और मनोबल बनाए रखने के लिए अनुशासन के साथ पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण पर ध्यान देना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य, पारिवारिक संतुष्टि और आर्थिक सुरक्षा से जुड़े विषयों का समय पर समाधान संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए अधिकांश निर्णयों का क्रियान्वयन किया जा चुका है। उन्होंने इकाई प्रमुखों को निर्देश दिए कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों तक समय पर पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए।

पुलिसकर्मियों और परिवारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखने के निर्देश

पुलिस महानिदेशक ने सभी इकाई प्रमुखों को नियमित जनसुनवाई आयोजित करने, शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने तथा आम नागरिकों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील एवं अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों में पुलिसकर्मियों के आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता प्राप्त करने में अनावश्यक दस्तावेजी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। बीमा दावों एवं अन्य लाभों से संबंधित मामलों की इकाई स्तर पर नियमित निगरानी करते हुए परिवारों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

पुलिस महानिदेशक ने पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को गंभीरता से समझकर संस्थागत स्तर पर समाधान के प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के प्रस्ताव की सराहना की। साथ ही हार्टफुलनेस संस्था के सहयोग से संचालित ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य सत्रों की नियमित समीक्षा तथा योग, आसन एवं प्राणायाम जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

पुलिस परिवारों के बच्चों के लिए शैक्षणिक सुविधाओं को और उपयोगी बनाने पर जोर

पुलिस महानिदेशक ने दिशा लर्निंग सेंटर की उपयोगिता बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन केंद्रों को केवल पुस्तकालय तक सीमित न रखते हुए पुलिस परिवारों के बच्चों की वास्तविक शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए। आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ शिक्षकों को सीमित अवधि के लिए आमंत्रित करने, ऑनलाइन कोचिंग का अधिकतम उपयोग करने तथा इकाई स्तर पर बच्चों की मांग के अनुसार विशेष कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने केंद्रों में पर्याप्त स्थान, बेहतर इंटरनेट सुविधा और अध्ययन के लिए उपयुक्त समय उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। अधिकारियों से केंद्रों के संचालन, बच्चों की सहभागिता, उपलब्ध संसाधनों और व्यावहारिक समस्याओं के संबंध में सुझाव भी आमंत्रित किए गए।

भर्ती, पदोन्नति और प्रशासनिक सुविधाओं में सुधार की जानकारी

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने और कार्यभार कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 एवं 2026 यानि दो वर्षों में लगभग 19 से 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण/जारी है। आठ वर्ष के अंतराल के बाद उप निरीक्षक एवं सूबेदार संवर्ग की भर्ती कर उनका प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है तथा कांस्टेबल चालक के 1,000 पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न संवर्गों में लंबे समय से लंबित पदोन्नति के मामलों में तेजी लाते हुए लगभग 28 हजार पुलिसकर्मियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का भी संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया गया है। ईएचआरएमएस के अंतर्गत लीव मॉड्यूल प्रारंभ होने से अवकाश आवेदन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है।

कानून-व्यवस्था एवं अभियानों में पुलिस के योगदान की सराहना

पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन, संवेदनशील परिस्थितियों के प्रभावी प्रबंधन तथा विभिन्न अभियानों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना की।

उन्होंने बताया कि गत वर्ष मध्यप्रदेश पुलिस ने 14 हजार से अधिक बालिकाओं को खोजने में सफलता प्राप्त की, जो किसी भी एक वर्ष में बालिकाओं की खोज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने नक्सल उन्मूलन की दिशा में पुलिस बल द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की तथा अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदान किए गए आउट ऑफ टर्न प्रमोशन का उल्लेख किया। नशामुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में जनजागरूकता एवं प्रवर्तन गतिविधियों को निरंतर प्रभावी बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। पुलिस महानिदेशक ने 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के दोनों चरणों में पुलिस इकाइयों के योगदान की सराहना की। उन?होंने नशामुक्ति अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच पुलिस इकाइयों को सम्मानित किया। इनमें इंदौर नगरीय एवं भोपाल नगरीय को पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में व्यापक जनभागीदारी, प्रभावी संचालन एवं जागरूकता गतिविधियों के लिए तथा बालाघाट, बुरहानपुर एवं छिंदवाड़ा को पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता के लिए सम्मानित किया।

पुलिस महानिदेशक ने इन सभी इकाइयों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अभियान से जुड़े प्रत्येक सदस्य को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का सम्मान है। अन्य पुलिस इकाइयों को भी इन प्रयासों से प्रेरणा लेकर नशामुक्ति के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए।

पुलिसकर्मियों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया

बैठक में पुलिसकर्मियों एवं उनके आश्रित परिवारों की आर्थिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की भी समीक्षा की गई। वर्ष 2025 की राज्य स्तरीय संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री वार्षिक बैठक के निर्णय के अनुसार परोपकार निधि से दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि 1 लाख रूपए से बढ़ाकर 5 लाख रूपए की जा चुकी है।

पुलिस सैलरी पैकेज एवं बीमा लाभों की समीक्षा

बैठक में पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। पुलिस महानिदेशक ने निर्देश दिए कि पात्र पुलिसकर्मियों के वेतन खातों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पीएसपी श्रेणी में पंजीकरण हो तथा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों को उपलब्ध बीमा लाभों की पर्याप्त जानकारी दी जाए।

शिक्षा निधि से 1,694 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 45 लाख रूपए की छात्रवृत्ति

बैठक में पुलिस मुख्यालय स्तर पर संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। शिक्षा निधि के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 1,694 पुलिसकर्मियों के बच्चों को लगभग 5 करोड़ 45 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

शिक्षा निधि से जुड़े लगभग 1 लाख 26 हजार अंशदाताओं के परिवारों के 1,701 लाभार्थियों को लगभग 5 करोड़ 24 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है।

पुलिस हेल्थ प्लान में अस्पतालों का पैनल बढ़ाने पर विचार

पुलिस हेल्थ प्लान के अंतर्गत वर्तमान में 64 अस्पताल अनुबंधित हैं, जिनमें 11 अस्पताल प्रदेश के बाहर स्थित हैं। बैठक में पुलिसकर्मियों की आवश्यकता को देखते हुए अस्पतालों का पैनल बढ़ाने तथा सीमावर्ती राज्यों के ऐसे अस्पतालों को योजना से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार किया गया, जहां पुलिसकर्मी सामान्यतः उपचार के लिए जाते हैं।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने पर जोर

पुलिसकर्मियों के बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित खेल प्रोत्साहन योजना की भी समीक्षा की गई। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पात्र बच्चों की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय प्रयास करने पर जोर दिया गया।

दिशा लर्निंग सेंटर के माध्यम से 300 से अधिक बच्चों को सफलता

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में प्रदेश की 86 इकाइयों में दिशा लर्निंग सेंटर के पुस्तकालय संचालित हैं। इन केंद्रों पर पुलिस परिवारों के बच्चों को पुस्तकालय, अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन कोचिंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पिछले वर्ष इन केंद्रों के माध्यम से पुलिस परिवारों के 300 से अधिक बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की।

बैठक में ऑनलाइन कोचिंग प्लेटफॉर्म, विषय विशेषज्ञों के विशेष सत्र, स्पोकन इंग्लिश तथा अन्य उपयोगी विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित करने के सुझाव भी प्राप्त हुए। बैठक में पुलिस स्कूलों एवं स्वस्ति चिकित्सालय से संबंधित प्रस्तावों सहित पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के हित से जुड़े अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर संबंधित शाखाओं को परीक्षण एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कल्याण) श्री सोलोमन यश कुमार मिंज द्वारा पुलिस मुख्यालय स्तर पर संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं एवं उनकी प्रगति का प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक सीआईडी श्री पंकज श्रीवास्तव, विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशासन श्री आदर्श कटियार, विशेष पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा श्री अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा, पुलिस आयुक्?त भोपाल श्री संजय कुमार, पुलिस आयुक्?त इंदौर श्री संतोष सिंह सहित पुलिस मुख्यालय के अन्?य वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रदेश की विभिन्न इकाइयों से आए पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

पराली जलाने से रोकने के लिए ग्रामों, क्षेत्रों का आकस्मिक भ्रमण

श्योपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा जिले में पराली प्रबंधन के लिए जागरूकता सहित विभिन्न प्रकार के कारगर उपाय सुनिश्चित किये जा रहे है, इसी क्रम में आज एसडीएम श्योपुर श्री गगन सिंह मीना द्वारा उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह सहित राजस्व एवं कृषि अमले के साथ पराली जलाने के प्रति किसानों को जागरूक करने और पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के संबंध में श्योपुर तहसील के सोईकलां, बगडुआ, चौपना, टेकना, बालापुरा, मेवाडा ग्रामों के क्षेत्रों का आकस्मिक भ्रमण किया गया।

एसडीएम श्री गगन सिंह मीना द्वारा भ्रमण के दौरान ग्राम चौपना, मेवाडा एवं नंदापुर में कंबाईन हार्वेस्ट्रर बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एस.एम.एस.) के चलते हुए पाये जाने पर हार्वेस्टर संचालको पर मानपुर एवं देहात थाना पुलिस को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान उपस्थित कृषकों को समझाइश दी गई कि पराली न जलायें और उसका उपयोग खेत के अंदर एवं खेत के बाहर बेहतर प्रबंधन के माध्यम से किया जायें। पराली जलाने से वायु प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी में उपस्थित मित्र कीट जीवाणु और उर्वरा शक्ति नष्ट होती है, जिससे भूमि बंजर होने की संभावना बनी रहती है।

पराली प्रबंधन के तहत कृषि विस्तार अधिकारी एवं पटवारी संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर कृषक संगोष्ठियां कर रहे है और कंबाईन हार्वेस्टर का सत्यापन कार्य भी किया जा रहा है। श्योपुर विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि निरंतर फील्ड में समस्त कृषि विस्तार अधिकारी एवं पटवारी अलर्ट मोड में रहकर भ्रमण करेंगे और किसानों को समझाईश देंगे कि किसान भाई धान की पराली को न जलाएं। जहां काली मिट्टी है, वहां पर बेलर, हैरेक, स्लेशर, स्ट्रा रीपर, मल्चर, जीरोट्रिल सीडड्रिल का उपयोग करें और जहां पर पीली, दुमट मिट्टी है, वहां पर हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर, रोटावेटर आदि का उपयोग करके पराली प्रबंधन कर सकते है। किसान भाईयों से अपील है कि पराली नही जलाएं पर्यावरण बचाएं और जमीन को बंजर होने से भी बचाएं। यदि किसी किसान भाई को पराली के संबंध में अपना सुझाव देना हो तो कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष क्र.99 में स्थापित कंट्रोल रूम का फोन नं. 07530-222631 पर अपना सुझाव दे सकते है और संबंधित राजस्व, कृषि अधिकारी से संपर्क करते है।

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ने जरूरतमंद परिवारों को समान भेंटकर मनाई दीपावली

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर शाखा के द्वारा दीपावली पर जरूरतमंदो को सामान वितरण किया

ग्वालियर, जीएनएस।

जैन समाज में अग्रणी संस्था जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर शाखा द्वारा आज मंगलवार को सर्वोदय अहिंसा अभियान के अंतर्गत ÷आओ मनाएं खुशियों भरी दिवाली÷ अभियान जरूरंतमद परिवारों को सामान वितरण कर कार्यकम आयोजित किया गया। ऐसे परिवारों के जीवन में खुशियों की रोशनी पहुंचाने के उद्देश्य से दीपावली खुशियों, उमंग और रोशनी का पर्व है। इस अवसर पर हर व्यक्ति अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने की तैयारी करता है, लेकिन समाज में अनेक ऐसे निर्धन एवं जरूरतमंद परिवार भी हैं, जिनके लिए त्योहार की आवश्यक सामग्री जुटाना कठिन होता है।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जैन मिलन के शाखा संस्थापक एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रवि जैन, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी सचिन जैन, क्षेत्रीय संयोजक पारस जैन एवं क्षेत्रीय ग्रीटिंग सह संयोजकठ्ठ ऋषभ जैन के द्वारा जैन ध्वज दिखाकर सर्वोदय अहिंसा रथ को रवाना करके किया। यह रथ जैन ध्वज के साथ शहर की विभिन्न जरूरतमंद



बस्तियों तक पहुंचकर दीपावली किट का वितरण किया गया। इस सेवा अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों को सामना दीनदयाल गेट एवं गोले का मंदिर, भिंड रोड स्थित झुग्गी-बस्ती सहित विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंद परिवारों को दीपावली किट वितरित की गई। इस किट में खिले गट्टे, फल, मिठाई, कचौड़ी, कपड़े, मिट्टी के दीपक, रूई, तेल, बिस्कुट एवं दीपावली के लिए अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी।कार्यक्रम में युगल जैन मिलन नेमिनाथ के रवि-रुचि जैन, पारस शिल्पी जैन, ऋषभ-सलोनी जैन, अध्यक्ष कुणाल-आयुषी जैन, मंत्री अमित-रचना जैन, तरुण जैन, संस्कार जैन, ऋषि जैन, दीपांशु जैन, मोक्ष जैन, समर्पण-ईशा जैन, अमन-पूनम जैन एवं सुरभि जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आतिशबाजी से होने वाले दुष्परिणामों के पत्रिक विमोचन किया।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि इस अवसर पर युगल जैन मिलन नेमिनाथ के मेंबरों ने सर्वोदय अहिंसा अभियान के माध्यम से आमजन को आतिशबाजी से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। लोगों से पर्यावरण संरक्षण, जीव दया एवं अहिंसा के संदेश को अपनाते हुए सुरक्षित एवं प्रदूषण रहित दीपावली मनाने की अपील की गई। साथ ही सर्वोदय अहिंसा अभियान पत्रिका का विमोचन कर जन जन तक संदेश पहुंचाया। शाखा के सदस्यों ने इस सेवा कार्य के माध्यम से संदेश दिया कि दीपावली की वास्तविक खुशी केवल स्वयं उत्सव मनाने में नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के जीवन में भी खुशियों का दीप जलाने में है

डबरा कृषि उपज मंडी में राजस्व का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अक्टूबर में 8.53 करोड़ रुपये की मंडी फीस वसूली

पिछले साल के मुकाबले मंडी फीस में 254.85 प्रतिशत और कृषि उपज की आवक में 73.81 प्रतिशत की बढ़ोतरी

डबरा, जीएनएस।

डबरा कृषि उपज मंडी समिति ने अक्टूबर 2026 में राजस्व वसूली का नया रिकॉर्ड कायम किया है। मंडी भारसाधक नवकरण कौर के मार्गदर्शन और सचिव संतोष गौड़ के प्रबंधन में अक्टूबर माह के दौरान मंडी को 8 करोड़ 53 लाख 26 हजार 219 रुपये की मंडी फीस प्राप्त हुई। यह पिछले वर्ष अक्टूबर की तुलना में 254.85 प्रतिशत अधिक है।

ई-अनुज्ञा की आधिकारिक आवक रिपोर्ट के अनुसार



अक्टूबर 2025 में मंडी में 95,046.31 टन कृषि उपज की आवक हुई थी, जबकि अक्टूबर 2026 में यह बढ़कर 1,65,202.56 टन पहुंच गई। इस प्रकार आवक में 73.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं पिछले वर्ष अक्टूबर में 2 करोड़ 40 लाख 45 हजार 155 रुपये मंडी फीस प्राप्त हुई थी। धान की बंपर आवक और किसानों को मिल रहे बेहतर भाव को इस उपलब्धि का प्रमुख कारण माना जा रहा है। मंडी प्रशासन के अनुसार बेहतर प्रबंधन और व्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियों से मंडी की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला शिवपुरी म.प्र.
क्रमांक/निविदा शाखा/2026/15875 शिवपुरी, दिनांक 27.10.2026

//ई-निविदा आमंत्रण सूचना//

जिला चिकित्सालय, शिवपुरी में स्टेशनरी सामग्री, प्रिंटिंग कार्य मय संलग्न स्पेसिफिकेशन आदि संबंधी क्रय कार्य हेतु निविदा आमंत्रण

जिला चिकित्सालय में स्टेशनरी सामग्री, प्रिंटिंग कार्य मय संलग्न स्पेसिफिकेशन आदि संबंधी क्रय/कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से संबंधी विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में दिये गये। निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाईन https://mptenders.gov.in बेवसाईट से क्रय किये जा सकेंगे एवं निविदा ऑनलाइन ही नीचे दिये गये समय अनुसार प्रविष्ठ की जा सकेगी।

निविदा क्रमांक	निविदत्त कार्य का विवरण	निविदा धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य प्रारंभ की समय सीमा व कार्यावधि
2026-27 No.1	जिला चिकित्सालय, शिवपुरी में स्टेशनरी सामग्री, प्रिंटिंग कार्य मय संलग्न स्पेसिफिकेशन आदि संबंधी क्रय कार्य हेतु निविदा आमंत्रण	अर्नेस्ट मनी रू. 20000/- ऑनलाईन जमा की जावेगी जिसकी रसीद टेंडर के साथ आवश्यक रूप से संलग्न करें	1000/- एक हजार रूपये मात्र	कार्य प्रारंभ 3 दिवस एक वर्ष सत्र 2026-27 हेतु

निविदा प्रक्रिया की समय सारणी :-

क्र.	निविदा प्रक्रिया	दिनांक व समय
1	2	3
1	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय प्रारंभ की तिथि	03/11/2026 11:00 AM
2	प्रीबिड बैठक का दिनांक	13/11/2026 01:00 PM
3	ऑनलाइन निविदा सबमिट करने का अंतिम दिनांक	25/11/2026 05:00 PM
4	अर्नेस्ट मनी व तकनीकि बिड खोले जाने का दिनांक	26/11/2026 05:30 PM

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय शिवपुरी म.प्र.

G-20950/26

विशेषज्ञों ने कहा प्राकृतिक खेती में है मध्यप्रदेश आगे

मल्टी क्रापिंग से एक एकड़ में कमा सकते हैं 10 लाख सालाना

भोपाल, जीएनएस।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच विभिन्न विषयों पर ज्ञानवर्धक संवाद हुआ। विशेषज्ञों ने बताया कि एक एकड़ जमीन से 10 लाख तक की सालाना आय प्राप्त की जा सकती है। उत्तर पूर्व के राज्यों में कई किसान खेती कर रहे हैं। मल्टी क्रापिंग इसका सर्वश्रेष्ठ उपाय है। दूसरा उपाय है उद्यानिकी फसलों का मूल्य संवर्धन।

रीजनल सेंटर फार आर्गेनिक फार्मिंग नागपुर के रीजनल डायरेक्टर श्री ए.एस राजपूत ने विस्तार से समझाया कि प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में क्या अंतर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश में आगे चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती में बाजार से खरीद कर खेतों में कुछ नहीं डालते। खेती के लिए जो भी संसाधन उपयोग में आये वह भूमि, पानी, पर्यावरण एवं जीवों को नुकसान पहुंचाने वाले नहीं हों।



प्राकृतिक खेती के उत्पाद का प्रमाणीकरण करना जरूरी है। इससे इन उत्पादों की अलग से पहचान हो जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि केन्द्र सरकार दो प्रकार से प्रमाणीकरण करती है। पहला तृतीय पक्ष प्रमाणन और दूसरा भागीदारी गारंटी प्रणाली। प्रमाणीकरण करने वाली 36 संस्थाए है। यह कार्य एपीडा और केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा किया है। दूसरी प्रणाली किसान केन्द्रित और विश्वास आधारित है।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में श्री राजपूत ने बताया कि अब किसान अपने खेतों की अच्छी सेहत और बाजार में अच्छी मांग को देखते हुए प्राकृतिक खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ मानक निर्धारित है, जैसे कृत्रिम रसायनों, उर्वरकों, कीटनाशकों का उपयोग नहीं, खेत पर तैयार जीमावृत्त, नीमास्त्र का उपयोग, गोबर एवं गोमूत्र से तैयार मिश्रण का उपयोग, बहुफसली खेती एवं मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन। डॉ. विनोद कुमार प्रोफेसर कृ महाविद्यालय पोवार खेड़ा, नर्मदापुरम ने किसानों को सीड टेक्नालाजी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बीज की परिभाषा बताई और बीज के प्रकारों का उल्लेख किया।

देवास घटना का मुख्य आरोपी निकला अवैध शराब का तस्कर और मास्टर माइंड

भोपाल, जीएनएस।

देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब के वाहन को रोकने के दौरान थाना प्रभारी श्री दिलीप पुरी के निधन की घटना के पश्चात पुलिस की विभिन्न टीमों ने दबिश देकर अवैध शराब से भरे वाहन को पकड़ लिया है। इस घटना की एफआईआर थाना खातेगांव में आबकारी एक्ट के तहत दर्ज की गई है। अवैध शराब के नेटवर्क के मुख्य सरगना राहुल जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। वाहन चालक गजेन्द्र उर्फ अक्कु रावत निवासी अलीराजपुर है, जिसे वाहन केरम सिंह चांगोड़ निवासी अलीराजपुर ने उपलब्ध करवाया था। केरम सिंह को अभिरक्षा में लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ कि यह अवैध शराब टिमरनी से गुजरात ले जाई जा रही थी।

गत 2 नवंबर की रात को सूचना मिलने पर कि अवैध शराब की बड़ी मात्रा एक आयशर गाड़ी क्र. स्क्क43 ॥4786 से टिमरनी जिला हरदा से गुजरात ले जाई जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कन्नौद के निर्देशन में गठित चार टीमों द्वारा नाकाबंदी के दौरान अवैध शराब से भरी आयशर गाड़ी सांडलपुर फाटा नर्मदा ढाबा के सामने खड़ी दिखाई दी। थाना प्रभारी खातेगांव निरीक्षक दिलीप पुरी के द्वारा ड्राइवर को वाहन से नीचे उतरकर वाहन की तलाशी देने कहा गया, तब उक्त आयशर वाहन के ड्राइवर ने थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी को जान से मारने की नीयत से अपनी गाड़ी निरीक्षक दिलीप पुरी के ऊपर चढ़ा कर अवैध शराब से भरी गाड़ी लेकर वहाँ से भाग गया। उपचार के दौरान निरीक्षक दिलीप पुरी का दुखद निधन हो गया। उक्त घटना में आरक्षक सोहन जाट पर भी चालक द्वारा गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया गया जिसमें वह घायल हो गया है।

चार टीमें गठित कर किया अपराध का पर्दाफाश: इस घटना के पश्चात पुलिस की विभिन्न टीमों ने दबिश देकर अवैध शराब से भरे वाहन को पकड़ लिया है। इस घटना की स्नढ्ढक्रथाना खातेगांव में धारा 103(1), 109(1), 121(2), 3(5) क्वह्रस्र एवं 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दर्ज की गई है। विवेचना में सामने आया कि चालक गजेन्द्र उर्फ अक्कु रावत निवासी अलीराजपुर है, जिसे वाहन केरम सिंह चांगोड़ निवासी अलीराजपुर ने उपलब्ध करवाया था। केरम सिंह को अभिरक्षा में लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ कि यह अवैध शराब टिमरनी से गुजरात ले जाई जा रही थी। शराब ठेका पाटेन्द्र जायसवाल निवासी बड़वानी के नाम पर है और इसमें राहुल जायसवाल, मनीष जायसवाल और मोहिन जायसवाल की तीस-तीस प्रतिशत और पाटेन्द्र की दस प्रतिशत भागीदारी है। पूरे नेटवर्क का मुख्य सरगना राहुल जायसवाल निवासी टिमरनी, जिला हरदा है, जो तीनों दुकानों से अवैध शराब की सप्लाई का नेटवर्क संचालित करता है। राहुल को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है। प्रकरण में विजय राव निवासी इंदौर को भी गिरफ्तार किया गया है।

5 नवंबर से बाल भवन में एक रुपए में सामग्री वितरण की शुरुआत

14 दिन में शहरवासियों ने दान की 25 हजार से अधिक अनुपयोगी वस्तुएं

ग्वालियर जीएनएस

दीपावली पर घरों से निकलने वाली अनुपयोगी वस्तुओं को कचरे में जाने से बचाने और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के लिए नगर निगम का 'स्वच्छ दिवाली एक रुपए वाली' अभियान लोगों की भागीदारी से सफल हो रहा है। अभियान के तहत 14 दिनों में शहरवासियों ने 25 हजार 67 वस्तुएं दान स्वरूप नगर निगम को सौंपी हैं। इन वस्तुओं का वितरण 5 नवंबर को सुबह 10:30 बजे बाल भवन से शुरू होगा। इसके साथ ही सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से भी सामग्री वितरित की जाएगी। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में 21 अक्टूबर से संचालित इस अभियान में नागरिक अपने घरों की अनुपयोगी, लेकिन दोबारा इस्तेमाल योग्य वस्तुएं जमा करा रहे हैं। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने बताया कि दीपावली पर घरों की सफाई के दौरान निकलने वाले कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने और अन्य सामग्री अक्सर कचरे में फेंक दी जाती है। जबकि थोड़ी मरम्मत और उचित रखरखाव से इनका दोबारा उपयोग किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से नगर निगम रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल की अवधारणा को बढ़ावा दे रहा है। अभियान के तहत अब तक 21 हजार 318 कपड़े, 803 जोड़ी जूते, 844 प्लास्टिक एवं स्टील की बोतलें, 161 बैग, 453 किताबें, 192 इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 192 खिलौने, 451 कंबल और 702 अन्य वस्तुएं एकत्रित की गई हैं। इनमें से 14 हजार 929 वस्तुएं विधानसभा क्षेत्रों में संचालित संग्रहण वाहनों और 10 हजार 138 वस्तुएं क्षेत्रीय कार्यालयों में जमा कराई गई हैं। एकत्रित सामग्री को फूलबाग स्थित 3आर सेंटर में छंटाई और आवश्यक मरम्मत के बाद दोबारा उपयोग के लिए तैयार किया जाएगा। इसके बाद जरूरतमंद परिवारों को एक रुपए में सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

दीपावली पर निजी बसों का किराया चार गुना तक बढ़ा, सरकार से रोक लगाने की मांग

ग्वालियर जीएनएस

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने दीपावली के त्योहार पर निजी बसों के किराए में की गई भारी वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए मध्यप्रदेश सरकार से तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पार्टी ने परिवहन विभाग से निर्धारित दरों पर ही किराया वसूली सुनिश्चित कराने और मनमानी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

भाकपा ने परिवहन विभाग से मनमानी किराया वसूली करने वाले बस संचालकों पर कार्रवाई की मांग की

भाकपा मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कौशल शर्मा एडवोकेट ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि दीपावली के अवसर पर निजी बस संचालकों ने किराए में चार गुना तक वृद्धि कर दी है। यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। पहले से ही गरीबी और महंगाई से जूझ रही जनता पर इस बढ़ोतरी से अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का निजी बसों के किराए पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। बस मालिकों की मनमानी के कारण आम यात्रियों को आर्थिक शोषण का सामना करना पड़ रहा है।

शर्मा ने आरोप लगाया कि निजी बस संचालकों को भाजपा का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते किराए में मनमानी वृद्धि के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि त्योहार के समय यात्रियों को राहत मिले, लेकिन इसके विपरीत उनसे मनमाना किराया वसूला जा रहा है।

भाकपा ने प्रदेश सरकार और विशेष रूप से परिवहन विभाग से मांग की है कि निजी बसों के किराए में मनमानी वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही निर्धारित किराया दरों का पालन सुनिश्चित कर यात्रियों से अधिक वसूली करने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दीपावली पर हादसों से निपटने जिला अस्पताल में बनेगी 10 बेड की अस्थायी बर्न यूनिट

ग्वालियर जीएनएस

दीपावली पर पटाखों और अन्य कारणों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से निपटने के लिए जिला अस्पताल में आपातकालीन तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर शिवानी अग्रवाल ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पटाखों से जलने की घटनाओं को देखते हुए सर्जरी विभाग में 10 बिस्तरों की अस्थायी बर्न यूनिट तैयार करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पवन जैन सहित जिला अस्पताल के चिकित्सक, नेत्र, सर्जरी और ईएनटी विभाग के अधिकारी, आरएमओ एवं हॉस्पिटल मैनेजर मौजूद रहे। अधिकारियों ने इमरजेंसी वार्ड, आईसीयू, नेत्र वार्ड और सर्जरी वार्ड में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया।

संयुक्त कलेक्टर ने इमरजेंसी वार्ड में आवश्यक दवाइयां और चिकित्सा सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी बड़ी दुर्घटना अथवा एक साथ कई घायलों के अस्पताल पहुंचने की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान आरएमओ ने ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्ध होने की जानकारी दी। अस्पताल के बैकअप जनरेटर की व्यवस्था भी देखी गई। जनरेटर मैनुअल होने और चालू होने में अधिक समय लगने की समस्या सामने आने पर अधिकारियों ने इसमें आवश्यक सुधार करने के

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में अब हर मंगलवार और शनिवार को होगा सुंदरकांड पाठ



ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में अब प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था और धर्म-संस्कृति के प्रति रुचि को देखते हुए ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है। पहले यहां महीने में एक शनिवार को ही सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता था।

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू के ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान एवं व्यवस्थापक यशवंत सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की मांग और धार्मिक आयोजनों के प्रति उत्साह को देखते हुए अब सप्ताह में दो दिन सुंदरकांड पाठ कराने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को श्रद्धालु सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ कर सकेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक आयोजन में शामिल होकर धर्म और संस्कृति से जुड़ने की अपील की।



चंबल रत्न अवॉर्ड से 11 विभूतियां सम्मानित

ग्वालियर के शीतला सहाय ऑडिटोरियम में आयोजित चंबल उत्सव में मुझे चंबल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान परमपिता परमेश्वर की कृपा और माता-पिता के आशीर्वाद का प्रतिफल है। समारोह में श्री राजगोपाल पीवी, डॉ. बीआर श्रीवास्तव, सचिन रावत, संजय सिंहराज और डॉ. केशव पांडे सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस दौरान कुल 11 लोगों को सम्मानित किया गया।

बैलगाड़ी दौड़ सहित होंगी कई गतिविधियां, कृषि और पशुपालन विभाग लगाएंगे आकर्षक प्रदर्शनी

13 को कुलैथ में होगा पशुपालक सम्मेलन, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

ग्वालियर जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 13 नवंबर को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में पशुपालक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में अंतरविभागीय समन्वय बैठक हुई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। सम्मेलन में बैलगाड़ी दौड़ सहित अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

सीईओ ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन और उद्यानिकी विभाग आकर्षक प्रदर्शनियां लगाएं। इनके माध्यम से किसानों और पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि वे उनका लाभ उठा सकें। उन्होंने मुख्यमंत्री के पूर्व भ्रमण के दौरान जिले के लिए की गई घोषणाओं का भी गंभीरता से पालन करने और उन्हें धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

जन विश्वास अभियान और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा : बैठक में सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री, पराली एवं नरवाई प्रबंधन और चीता जागरूकता कार्यक्रम की समीक्षा की गई।



सीईओ ने जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविरों में प्राप्त शिकायतों का निराकरण करने के साथ अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं का अनिवार्य निरीक्षण करने के निर्देश दिए। हितग्राहियों से संपर्क कर योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लेने और निरीक्षण की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने को भी कहा गया।

46 गांवों में किसानों को किया जागरूक : पराली और नरवाई प्रबंधन की समीक्षा में बताया गया कि पिछले साल नरवाई जलाने की घटनाओं वाले 46 गांवों में विशेष चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया गया है। किसानों को चेतावनी दी गई है कि दोबारा नरवाई जलाने पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई होगी। सीईओ ने हार्वेस्टर में एसएमएस यंत्र नहीं लगाने वाले संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने और कृषि उपकरणों की प्रदर्शनियां लगाने के निर्देश दिए।

चीता दिखे तो वन विभाग को दें सूचना : वन मंडलाधिकारी मुकेश पटेल ने अधिकारियों से चीता संरक्षण अभियान में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि कूनो नेशनल पार्क से चीते ग्वालियर जिले की सीमा में भी आ सकते हैं। ऐसे में चीता दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें। उसकी रील या वीडियो बनाकर प्रसारित न करें, ताकि भ्रामक जानकारी न फैले। उन्होंने कहा कि चीतों से मनुष्यों को खतरा नहीं होता है। पशुओं को नुकसान पहुंचने पर संबंधित पशुपालक को शासन की ओर से क्षतिपूर्ति दी जाती है।

बैठक में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, अनिल बनवारिया, वन मंडलाधिकारी मुकेश पटेल, जिले के एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।